A Daily News Magazine
इंदौर
शनिवार, 4 अप्रैल, 2026

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 180, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

क्या दुनिया सचमुच तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है?

अहमन ख्वाजा

ईरान के साथ अमेरिका-इसराइल के जंग का एक महीना पूरा हो चुका है और इस बात की चिंता बढ़ रही है कि मध्य पूर्व का मौजूदा संकट कहीं बहुत व्यापक रूप न ले ले। इस जंग ने सिर्फ़ ईरान को प्रभावित नहीं किया है, बल्कि दर्जनों देशों को भी अपनी गिरफ्त में ले लिया है। मसलन, यूएई, इराक़, बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब, ओमान, अज़रबैजान, कब्ज़े वाला वेस्ट बैंक, साइप्रस, सीरिया, क़तर और लेबनान। कई लोगों को ये चिंता सता रही है कि कहीं मौजूदा संघर्ष क्षेत्रीय युद्ध से आगे बढ़कर विश्व युद्ध न बन जाए।

ब्रिटेन के ऑक्सफ़र्ड विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय इतिहास की प्रोफ़ेसर एमेरिटस मार्गरेट मैकमिलन ने कहा, 'आम लोग अक्सर सोचते हैं कि युद्ध बहुत योजनाबद्ध तरीक़े से होते हैं और जो देश युद्ध में शामिल होते हैं, उन्हें पता होता है कि असल में वो क्या कर रहे हैं। अगर आप पिछले युद्धों को देखें, मिसाल की तौर पर पहला विश्वयुद्ध...तो अंततः जो कुछ हुआ वो अचानक हुआ और विरोधियों के एक-दूसरे के बारे में ग़लतफ़हमी की वजह से हुआ। कुछ ही हफ्तों में गठबंधनों के एक समूह ने पूरे यूरोप को इस संघर्ष में खींच लिया। इसके बाद जो हुआ वह एक वैश्विक तबाही बन गया।'

किंग्स कॉलेज लंदन में अंतरराष्ट्रीय इतिहास के प्रोफ़ेसर जो माइलो का कहना है कि एक विश्व युद्ध तब घटित होता है जब सारी प्रमुख शक्तियां उसमें शामिल हो जाती हैं। प्रथम विश्व युद्ध में ये शक्तियां। यूरोपीय साम्राज्यवादी शक्तियां होतीं। द्वितीय विश्व युद्ध में अमेरिका, जापान और चीन होते।'

कई लोग आज मध्य पूर्व में तनाव को मुख्य रूप से क्षेत्रीय समस्या मानते हैं। लेकिन क्या इसके व्यापक स्तर पर फैलने की स्थितियां मौजूद हैं?

एक इंटरव्यू में, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने कहा था कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने पहले ही तीसरा विश्व युद्ध शुरू कर दिया है। और इसलिए मॉस्को को पीछे हटने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए। रूस दुनिया पर एक अलग तरह का जीवन थोपना चाहता है और लोगों ने अपने लिए जो जीवन चुना है उसे बदलना चाहता है।'

तो वर्तमान में तीसरे विश्व युद्ध के होने का जोखिम क्या है। मैकमिलन कहती हैं, 'मुझे लगता है कि जो देश इसे बढ़ा सकता है वह संभवतः ईरान है, या ईरान के सहयोगी, जैसे यमन में हूती। ईरान की संभावित कार्रवाइयां, जैसे समुद्री मार्गों को निशाना बनाना या होर्मुज़ स्ट्रेट को बंद करना, वैश्विक प्रभाव डाल सकती हैं। इससे ऊर्जा आपूर्ति बाधित हो सकती है और प्रमुख शक्तियां इसमें शामिल हो सकती हैं। इसमें अमेरिका की हिस्सेदारी भी मामले को बढ़ाती है। अन्य देश, भले ही सीधे तौर पर शामिल न हों, आर्थिक या रणनीतिक रूप से प्रभावित होते हैं। एक क्षेत्र में संघर्ष कहीं दूसरे इलाक़े में तनाव का सबब बन सकता है। उदाहरण के लिए, चीन यह रणनीति बना सकता है कि मध्य पूर्व में व्यस्त पश्चिम उसे ताइवान पर कदम उठाने का मौका देता है, या रूस यूक्रेन में अपनी कार्रवाई को तेज़ कर सकता है क्योंकि दुनिया का ध्यान इस वक़्त कहीं और है।

प्रोफ़ेसर माइलो मानते हैं कि यह संघर्ष क्षेत्रीय ही रहेगा और इसमें गल्फ़ को-ऑपरेशन काउंसिल के देश शामिल हो सकते हैं, जिनमें सऊदी अरब भी है। लेकिन वह चीन और रूस के इस युद्ध में शामिल होने की संभावना नहीं देखते। यह विचार कि दुनिया में कुछ होता है और चीन ताइवान पर झपट पड़ेगा, पूरी तरह से काल्पनिक है। वह मानते हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी कूटनीति को लेकर चीन की अलग योजनाएं हैं, 'जब आपका प्रतिद्वंद्वी एक बड़ी रणनीतिक ग़लती कर रहा हो, तो उसे ऐसा करते रहने दें।'

क्या यह चीन के हित में होगा कि वह कूटनीतिक भूमिका न निभाए, जबकि तेल की क़ीमतों में उतार-चढ़ाव का उस पर असर पड़ता है? प्रोफ़ेसर माइलो कहते हैं कि यह एक छोटी क़ीमत है, 'रणनीतिक हितों की बड़ी प्राथमिकता में, मध्य पूर्व में अमेरिका का उलझा रहना, चीन के लिए तेल की तुलना में कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।' मैकमिलन कहती हैं कि इतिहास युद्ध अक्सर गर्व, सम्मान की भावना या विरोधियों के डर की वजह से शुरू होते हैं। इतिहास यह दिखाता है कि व्यक्तिगत नेता, घटनाओं की दिशा तय कर सकते हैं।

मैकमिलन कहती हैं कि नेताओं के लिए गर्व एक बड़ा कारण हो सकता है और इसके उदाहरण के तौर पर वह पुतिन की ओर इशारा करती हैं, 'उन्होंने यूक्रेन पर हमला करने की कोशिश में साफ़ तौर पर एक बड़ी ग़लती की है।' ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय का अनुमान है कि यूक्रेन युद्ध में रूस को कुल 12.5 लाख हताहतों का नुकसान हुआ है। यह संख्या बहुत कम करके आंकी गई है। यह संख्या द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका के कुल हताहतों से भी अधिक है। मैकमिलन जोड़ती हैं कि जो नेता नाकामी स्वीकार करने या पीछे हटने से इनकार करते हैं, वे संघर्ष को लंबा और व्यापक कर सकते हैं। मैकमिलन कहती हैं कि तनाव कम करने के लिए कूटनीति बहुत ज़रूरी है, 'आपको दूसरे पक्ष के बारे में जानना चाहिए... और उनके संपर्क में रहना चाहिए। वह बताती हैं कि शीत युद्ध के अंतिम चरण में और नेटो की भागीदारी के साथ सभी पक्षों के बीच संवाद बेहतर हुआ था। वो कहती हैं कि कई उदाहरण हैं जहां लोगों ने कहा कि रुकिए... यह बहुत ख़तरनाक होता जा रहा है। उन्होंने समझा कि हालात बहुत अस्थिर हो रहे हैं और उन्हें इसे शांत करना होगा। जब बड़ी शक्तियां शामिल होती हैं तो तनाव कम करने की नीतियों में परमाणु हथियारों का होना हमेशा एक महत्वपूर्ण कारक होता है।

प्रोफ़ेसर माइलो सहमत हैं, 'इसराइल, अमेरिका और ईरान में यह समझ होना ज़रूरी है कि वे अपनी उपलब्धियों की सीमा तक पहुंच चुके हैं।' वह कहते हैं कि युद्ध का जारी रहना किसी भी पक्ष के लिए 'वांछित परिणाम' नहीं देगा। 'प्रतिबंध हटाने के बारे में कुछ व्यवस्था करनी होगी, कुछ सुरक्षा व्यवस्थाएं बनानी होंगी और वैश्विक राजनीति में ईरान की भूमिका को लेकर कुछ समझ बनानी होगी।'

माइलो का कहना है कि केवल मध्यस्थता के ज़रिए ही जंग रोकी जा सकती है और फिर इसे एक स्थायी व्यवस्था में बदल सकती है।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

1971 के नायक रहे राजस्थान के सपूत को बांग्लादेशी सम्मान

- 22 साल की उम्र में अंतिम सांस तक पाकिस्तानी ठिकानों पर करते रहे थे बमबारी

पिलानी (एजेंसी)। 1971 के भारत-पाक युद्ध में मातृभूमि के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले पिलानी (झुंझुनूं) के शहीद धर्मपाल डूडी के अदम्य साहस को आधी सदी बाद एक नई पहचान मिली है। बांग्लादेश सरकार ने शहीद के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए उनके परिवार को विशेष प्रशस्ति पत्र और राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न भेंट किया। गुरुवार को जब सेना के अधिकारी यह सम्मान लेकर शहीद के पैतृक गांव धींधवा पहुंचे, तो पूरा माहौल शहीद धर्मपाल अमर रहे के नारों से गूंज उठा।

54 साल का इंतजार, 2018 में जारी हुआ था पत्र, अब पहुंचा घर– बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना और राष्ट्रपति मोहम्मद अब्दुल हमीद के हस्ताक्षरों वाला यह सम्मान पत्र 27 नवंबर 2018 को जारी किया गया था। प्रशासनिक कारणों से इसे पहुंचने में देरी हुई, लेकिन गुरुवार दोपहर 2.30 बजे जब 65 मीडियम रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट विक्रांत, हवलदार रामबीर और अग्निवीर जीतू सिंह गांव पहुंचे, तो शहीद की यादें फिर ताजा हो गईं। जवानों ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें सलामी दी।

शरीर जख्मी था, लेकिन हौंसला फौलादी

3 दिसंबर 1971 को अखोरा (ढाका) में भीषण जंग जारी थी। धर्मपाल डूडी और उनकी टीम पाकिस्तानी ठिकानों पर कहर बनकर टूट रही थी। इसी बीच पाकिस्तान की ओर से किए गए भारी बम हमले में धर्मपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। शहीद के भतीजे सुनील कुमार डूडी ने बताया– दुश्मन का गोला उनके पास गिरा, वे लहूलुहान थे। शरीर से खून बह रहा था, लेकिन उन्होंने अपना रेडियो सेट और गन नहीं छोड़ी। दर्द असहनीय था, पर उनके दिमाग में सिर्फ दुश्मन को तबाह करने का लक्ष्य था। घायल अवस्था में भी वे अंतिम सांस तक पाकिस्तानी ठिकानों पर सटीक बमबारी करवाते रहे और अंतत: 4 दिसंबर 1971 को वह वीरगति को प्राप्त हुए। धर्मपाल डूडी (शहीद) के भतीजे सुनील कुमार डूडी ने गर्व से बताया कि उनके चाचा 13 जनवरी 1970 को सेना में भर्ती हुए थे। महज 22 साल की उम्र में वह शहीद हो गए थे। लेफ्टिनेंट विक्रांत ने बताया कि 65 मीडियम रेजिमेंट की आर्टलरी यूनिट की एक बैट्री का नाम अब शहीद धर्मपाल बैट्री रखा गया है। यह किसी भी सैनिक के लिए अद्वितीय सम्मान है।

शरद की सुबह

खोता कुछ भी नहीं यहाँ पर
केवल जिल्द बदलती पोथी ।
जैसे रात उतार चाँदनी
पहने सुबह धूप की धोती
वस्त्र बदलकर आने वालो !
चाल बदलकर जाने वालो !
चन्द खिलौनों के खोने से बचपन
नहीं मरा करता है।
छिप–छिप अश्रु बहाने वालो !
मोती व्यर्थ बहाने वालो !
कुछ सपनों के मर जाने से
जीवन नहीं मरा करता है।

– गोपाल दास 'नीरज'

देश की ऊर्जा सुरक्षा अब होगी और मजबूत

- राजनाथ सिंह बोले-एक मजबूत नौसेना कोई विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता है

नौसेना में शामिल हुआ स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस तारागिरी,बढ़ी समुद्री ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वदेश निर्मित उन्नत युद्धपोत तारागिरी को शुक्रवार को नौसेना के बेड़े में शामिल किया। इस दौरान उन्होंने कहा, एक मजबूत और सक्षम नौसेना कोई विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता है क्योंकि हमारी ऊर्जा सुरक्षा समुद्र पर निर्भर करती है। शुक्रवार को विशाखापत्तनम में स्वदेश निर्मित उन्नत युद्धपोत तारागिरी की कमिशनिंग के दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ये शहर अपने आप में भारत की समुद्री शक्ति का साक्षी रहा है इसलिए विशाखापट्टनम से आईएनएस तारागिरी कमीशनिंग अपने आप में एक बहुत ही महत्वपूर्ण मूवमेंट है। हमारी सांस्कृतिक विरासत से लेकर आज की रणनीतिक वास्तविकताएं तक समुद्र में हमेशा भारत की दिशा तय की है। भारत का हमेशा से ही समुद्र के साथ अनोखा संबंध रहा है और समय के साथ समुद्र से हमारा रिश्ता और भी मजबूत होता गया है।

ताकतवर नौसेना कोई विकल्प नहीं आवश्यकता

राजनाथ सिंह ने आगे कहा, एक मजबूत और सक्षम नौसेना कोई विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता है क्योंकि हमारी ऊर्जा सुरक्षा समुद्र पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा परिकल्पित 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में समुद्री शक्ति बहुत महत्वपूर्ण है। प्रोजेक्ट 17ए' के तहत चौथे प्लेटफॉर्म के रूप में तारागिरी 6,670 टन का युद्धपोत है, जिसे मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई द्वारा बनाया गया है, जो उन्नत डिजाइन और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता को प्रदर्शित करता है। इस युद्धपोत की बनावट अधिक पतली है, जिससे इसका रडार पर दिखाई देने वाला आकार बहुत कम हो जाता है और यह जटिल समुद्री परिस्थितियों में सुरक्षित रहता है।

अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों से लैस है यह युद्धपोत

यह युद्धपोत अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों से लैस है, जिनमें सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और विशेष पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली शामिल हैं। इन सभी को आधुनिक युद्ध प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से जोड़ा गया है, जिससे उभरते खतरों का तेजी और सटीकता से सामना किया जा सकता है। युद्धक भूमिका के अलावा तारागिरी को मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों के लिए भी डिजाइन किया गया है, जिससे शांति और संघर्ष दोनों स्थितियों में इसकी उपयोगिता बढ़ जाती है।

असम में यूसीसी लाएंगे इससे आदिवासी बाहर रहेंगे

- गृह मंत्री अमित शाह ने गोलपाड़ा में की चुनावी सभा

दिसपुर (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने असम के गोलपाड़ा में चुनावी सभा में कहा कि राज्य में यूसीसी लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद कोई चार शादी नहीं कर सकेगा। यूसीसी में कांग्रेस आदिवासियों को डराती है कि आप पर भी यूसीसी लगेगी लेकिन आदिवासियों को यूसीसी से बाहर रखा जाएगा। पूर्वोत्तर राज्य के दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दिक्कत का सामना करना पड़ा। तकनीकी कारणों से उनका हेलीकॉप्टर लैंड नहीं कर पाया। इसके बाद उन्होंने फोन के जरिए ही जनसभा को संबोधित किया। बीजेपी ने असम के गोलकगंज में इसके बाद रैली को रद्द कर दिया, हालांकि अगले कार्यक्रम में अमित शाह व्यवस्थित तरीके से पहुंच गए। केंद्रीय गृह मंत्री ने फोन पर अपने समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने माफी भी मांगी। उन्होंने अपनी संबोधन में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करते हुए बीजेपी उम्मीदवार अश्विनी राय सरकार के लिए वोट मांगे। इसके बाद अमित शाह एक और चुनावी कार्यक्रम के लिए दुधनोई रवाना हो गए। असम में चुनाव प्रचार अंतिम दौर में है।

नव–निर्मित उज्जैन साइंस सेंटर का हुआ लोकार्पण

उज्जैन प्राचीनकाल से है समय गणना और खगोल विज्ञान का वैश्विक केंद्र : मुख्यमंत्री

उज्जैन (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन धर्म की नगरी होने के साथ विज्ञान की भी नगरी है। उज्जैन की माटी में विज्ञान, गणित, खगोल और ब्रह्मांड चिंतन सदियों से विद्यमान है। उज्जैन काल गणना का केंद्र रहा है, जहां प्राचीन काल में सूर्य की छाया से समय नापने की कला विकसित हुई। प्राचीन भारतीय भूगोल के अनुसार उज्जैन कर्क रेखा पर स्थित है और इसे पृथ्वी का मध्य बिंदु माना जाता था। ग्रीनविच के वैश्विक मानक के अस्तित्व में आने से सदियों पहले शून्य देशांतर रेखा पावन नगरी उज्जैन से होकर गुजरती थी। जब पश्चिम में खगोल शास्त्र का ज्ञान भी नहीं था तब उज्जैन के ज्योतिषी और विद्वान काल गणना कर नक्षत्रों की स्थिति बता रहे थे। जब दुनिया समय को परिभाषित करना सीख रही थी तब यहां महर्षियों ने खगोलीय गणनाओं का वैश्विक मानक स्थापित कर लिया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'महाकालः द मास्टर ऑफ टाइम' के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महाकालः द मास्टर ऑफ टाइम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पधारे विद्वानों और विशेषज्ञों का स्वागत अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने उज्जैन साइंस सेंटर का लोकार्पण और तारा मंडल में लगी विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ एवं अवलोकन भी किया।

विज्ञान की नगरी भी है उज्जैन

सीएम मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन धर्म की नगरी होने के साथ-साथ विज्ञान की भी नगरी है। महाकाल की इस नगरी की माटी में विज्ञान-गणित-खगोल-ब्रह्मांड का चिंतन सदियों से विद्यमान है। उज्जैन काल गणना का केंद्र रहा। यहां प्राचीन काल में सूर्य की छाया से समय नापने की कला विकसित हुई। प्राचीन भारतीय भूगोल के अनुसार उज्जैन कर्क रेखा पर स्थित है और इसे पृथ्वी का मध्य बिंदु माना जाता था। ग्रीनविच के वैश्विक मानक के अस्तित्व में आने से सदियों पहले शून्य देशांतर रेखा उज्जैन से होकर गुजरती थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के लिए 4 लेन उज्जैन बायपास और 'सम्राट विक्रमादित्य - द हेरिटेज' परियोजना का भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर विचारक एवं समाजसेवी श्री सुरेश सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। महाकाल की नगरी उज्जैन में 'महाकालः द मास्टर ऑफ टाइम' का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में उज्जैन को काल गणना नगरी बनाने की बात कही गई तो दूसरी ओर ग्रीनविच मीन टाइम को महाकाल स्टैंडर्ड टाइम बनाने पर फोकस किया गया।

पुराने गौरव को है लौटाना : केंद्रीय शिक्षा मंत्री

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि अगर हमारे धार्मिक स्थलों को अध्ययन के स्तर पर देखा जाए तो उज्जैन, काशी, कांची और पुरी धाम भारतीय ज्ञान परंपरा विज्ञान-कला-संस्कृति-साहित्य-आध्यात्म आधारित प्रयोगशालाएं हैं। विज्ञान अध्यात्म के बिना अधूरा है। महाकाल की नगरी उज्जैन हमारी संस्कृति का पवित्र स्थान है, जिसका विशेष सांस्कृतिक महत्व है। दुनिया के किसी भी अनुसंधान को देखा जाए तो उज्जैन के बिना काल की गणना अधूरी है। यहां पृथ्वी की मध्य रेखा और कर्क रेखा का केंद्र बिंदु उज्जैन या उसके आसपास ही है। पश्चिमी देशों के लिए टाइम सिर्फ गणना है, लेकिन भारतीय सभ्यता में समय और टाइम में अंतर है। समय एक भावना और अभिव्यक्ति है। पश्चिमी कैलेंडर में दिन 30 या 31 तक सीमित हैं। भारत में पल-पल की वैज्ञानिक व्याख्या है। उन्होंने कहा कि आज भारत स्पेस टेक्नोलॉजी में अग्रणी देश बनकर उभरा है।

ये अमृतकाल नहीं, सनातनियों का संकटकाल है

- भाजपा संविधान से नहीं, मन-विधान से चलने वाली पार्टी
- अखिलेश ने कहा-हम गांव-गांव मनाएंगे अंबेडकर जयंती

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश में अमृतकाल नहीं, बल्कि संकटकाल चल रहा है। समाजवादी पार्टी अब गांव–गांव जाकर डॉ. भीमराम अम्बेडकर की जयंती मनाएगी और संविधान पर चर्चा करेगी। अखिलेश ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रही है और लोकतंत्र की जगह एकतंत्र लाना चाहती है। यह अमृतकाल नहीं है, यह सनातनियों का संकटकाल चल रहा है। संत मारे जा रहे हैं, संतों की हत्याएं हो रही हैं, उनका अपमान किया जा

रहा है। अखिलेश ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में लोहिया वाहिनी और छात्रसभा, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड सहित अन्य संगठन के जिला स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक बुलाई थी। इसी अवसर पर वे मीडिया से मुखातिब थे।

भाजपा सौदागर की तरह काम कर रही–
अखिलेश यादव सपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हम समाजवादी लोग बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के दिए हुए संविधान, डॉ लोहिया के दिखाया हुए रास्ते और नेताजी के आदर्शों पर चलकर समाजवादी व्यवस्था लागू करना चाहते हैं।

दूसरी ओर भाजपा की सरकार है, जो सौदागर की तरह काम कर रही है। हर चीज बेच रही है। उनका लक्ष्य केवल मुनाफा कमाना है। उनके भ्रष्टाचार की वजह से महंगाई बढ़ रही है। नौजवानों को सिर्फ बड़े–बड़े निवेश के सपने दिखाए गए। पढ़े–लिखे नौजवानों के हाथों में रोजगार नहीं है। सरकार से पूछो कि निवेश से कितने रोजगार के अवसर बने, तो आंकड़े नहीं बताते। यह संविधान से चलने वाले वाले लोग नहीं हैं।

जापान घूम आए, लेकिन कुछ नहीं सीखा

अखिलेश यादव ने सीएम योगी के जापान दौरे पर तंज कसा। कहा कि ये लोग जापान घूम आए, लेकिन वहां से भी कुछ नहीं सीखा। कम से कम जापान देखकर सरकार की आंखें तो खुल जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा लगता यह है कि जापान देखने के बाद आंखें बंद हो गई हैं। हमारे प्रदेश में एक खास वनस्पति हर जगह पकड़ी जा रही है। लगता तो प्रदेश में वनस्पति का कहीं रिसर्च सेंटर ना खुल जाए। पता ही नहीं चलता कि असल में है कि असर से है। क्योटो (गोरखपुर) का हाल आपने देखा ही होगा कि किस तरह वहां गोली चल रही है। मुख्यमंत्री की नगरी में उन्हीं के सांसद, उन्हीं के नेता सरकार पे और सरकार के सबसे करीब लोगों के ऊपर आरोप लगा रहे हैं। उनके एक राज्यसभा सांसद ने तो यहां तक कह दिया कि पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला तो सरकार का डैश–डैश–डैश कर देंगे।

मिशन 2029 के लिए बीजेपी ने चल दिया बड़ा दांव!

- महिला आरक्षण बिल और परिसीमन के सहारे करेगी खेला

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को संसद का वर्तमान बजट सत्र बढ़ा दिया गया है। इसके बाद अब 16 से 18 अप्रैल के बीच लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों की 3 दिवसीय बैठक होगी। इस विस्तारित सत्र को लेकर केंद्र सरकार की बड़ी तैयारियां हैं। सरकार इस तीन दिनों की कार्यवाही के दौरान महिला आरक्षण से संबंधित नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन से जुड़ा विधेयक ला सकती है। इसके अलावा केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी परिसीमन की प्रक्रिया भी जल्द ही शुरू कर सकती है। बीजेपी ने अभी से ही मिशन 2029 की तैयारी शुरू कर दी है। जहां 2014 से पहले बीजेपी का फोकस राम मंदिर, अनुच्छेद 370 और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दों पर था, वहीं अब पार्टी नए एजेंडे के साथ आगे बढ़ रही है।

महिलाओं को मिलेगा 33 फीसदी आरक्षण

इससे पहले केंद्र सरकार परिसीमन (डिलिमिटेशन) प्रक्रिया शुरू करने और लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। इसे एक रणनीतिक फैसला माना जा रहा है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' यानी महिला आरक्षण कानून को संसद के विस्तारित सत्र में पास कराया जा सकता है। गौरतलब है कि यह कानून सितंबर 2023 में पास हुआ था, लेकिन इसमें लागू करने की कोई तय समय सीमा नहीं थी। अब 2029 के चुनाव को ध्यान में रखते हुए बीजेपी इसे लागू करने के लिए तैयार है।

2027 तक पूरा होगा परिसीमन, बड़ा है दांव

वहीं परिसीमन की प्रक्रिया भी 2027 तक पूरा होने की संभावना है। प्रस्ताव है कि लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या करीब 50 प्रतिशत बढ़ाई जाए। इससे लोकसभा की कुल सीटें बढ़कर 816 हो सकती हैं, जिनमें से 272 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इससे पुरुष और महिला दोनों वर्गों को संतुलित प्रतिनिधित्व मिलेगा। परिसीमन को लेकर दक्षिण भारत में जो चिंता थी, उसे दूर करने के लिए सरकार राज्यों के बीच सीटों का अनुपात बरकरार रखने पर भी विचार कर रही है। अगर यह योजनाएं 2029 तक लागू हो जाती है, तो भारतीय राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। बीजेपी इस बदलाव का श्रेय लेकर महिला वोटरों को और मजबूत तरीके से जोड़ सकती है।

ईरान की मिडिल ईस्ट में 8 ब्रिज उड़ाने की धमकी

तेल अवीव/ तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने मिडिल ईस्ट के 8 बड़े पुलों की लिस्ट जारी कर उन्हें तबाह करने की धमकी दी है। ईरान इन पुलों को रणनीतिक तौर पर अहम मानता है, क्योंकि ये कई देशों की कनेक्टिविटी और ट्रांसपोर्ट के लिए बेहद जरूरी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की लिस्ट में कुवैत, यूएई, सऊदी अरब और जॉर्डन के कई महत्वपूर्ण पुल शामिल हैं। इनमें शेख जाबेर अल-अहमद समुद्री पुल (कुवैत), शेख जायद ब्रिज, अल मकता ब्रिज, शेख खलीफा ब्रिज (यूएई), किंग फहद कॉजवे (सऊदी अरब-बहरीन) और जॉर्डन के किंग हुसैन, डामिया और अबदून ब्रिज शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को अमेरिका-इजराइल ने ईरान के करज शहर में हमला किया था।

- लिस्ट जारी की, अमरीका ने ईरानी पुल तबाह किया था

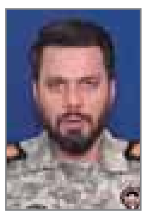

पश्चिम बंगाल में मालदा हिंसा का मुख्य आरोपी हुआ अरेस्ट

- एयरपोर्ट से पकड़ाया, भागने की फिराक में था मोफक्करुल इस्लाम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मालदा में एसआईआर से जुड़े न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में मुख्य आरोपी समेत 35 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के 48 घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपी मोफक्करुल इस्लाम को बागडोगरा एयरपोर्ट से पकड़ा। वह बेंगलुरु भागने की फिराक में था। इस्लाम कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील है। वह 2011 में एआईएमआईएम का उम्मीदवार रह चुका है। मोफक्करुल पर आरोप है कि मालदा के सुजापुर में 1 अप्रैल को एसआईआर में नाम कटने के विरोध प्रदर्शन में भड़काऊ भाषण दिया। इससे लोग भड़क गए और हजारों लोगों ने कलियाचक के बीजेपी ऑफिस को घेर लिया। दो गेट बंद कर दिए गए, जिससे 7 न्यायिक अधिकारी 9 घंटे ऑफिस के अंदर बंधक रहे। देर रात 1 बजे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भारी सुरक्षाबल की मौजूदगी में अफसरों को बाहर निकाला गया था। उधर, सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इलेक्शन कमीशन ने जांच एनआईए को सौंप दी है।

असम में यूसीसी लाएंगे, इससे आदिवासी बाहर रहेंगे

- गृह मंत्री अमित शाह ने गोलपाड़ा में की चुनावी सभा

दिसपुर (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने असम के गोलपाड़ा में चुनावी सभा में कहा कि राज्य में यूसीसी लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद कोई चार शादी नहीं कर सकेगा। यूसीसी में कांग्रेस आदिवासियों को डराती है कि आप पर भी यूसीसी लगेगी लेकिन आदिवासियों को यूसीसी से बाहर रखा जाएगा। पूर्वोत्तर राज्य के दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दिक्कत का सामना करना पड़ा। तकनीकी कारणों से उनका हेलीकॉप्टर लैंड नहीं कर पाया। इसके बाद उन्होंने फोन के जरिए ही जनसभा को संबोधित किया। बीजेपी ने असम के गोलकगंज में इसके बाद रैली को रद्द कर दिया, हालांकि अगले कार्यक्रम में अमित शाह व्यवस्थित तरीके से पहुंच गए।

चुनाव में फायदा उठाने के लिए बुलाया है विशेष सत्र

- केंद्र पर बरसी कांग्रेस, बंगाल समेत 5 राज्यों का दिया हवाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सरकार ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने तथा चुनावी लाभ हासिल करने के लिए इस महीने संसद का विशेष सत्र बुलाया है, जो चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन करके दोबारा श्रेय लेना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के साथ परिसीमन का भी एकतरफा फैसला किया, जबकि इस बारे में विपक्ष के साथ कोई बातचीत नहीं की। महिला आरक्षण विधेयक पारित करने के लिए गुरुवार को संसद का वर्तमान बजट सत्र बढ़ा दिया गया और अब लोकसभा तथा राज्यसभा की अगली बैठक 16 अप्रैल को होगी। दोनों सदनों की तीन दिवसीय बैठक 16 से 18 अप्रैल के बीच हो सकती है। पहले से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, संसद का वर्तमान बजट सत्र गुरुवार, दो अप्रैल को ही संपन्न होना था।

बिहार के मोतिहारी में जहरीली शराब से 5 की मौत

- 6 की आंख की रोशनी गई, 7 लोगों की हालत गंभीर
- हत्या का केस दर्ज

मोतिहारी (एजेंसी)। बिहार में एकबार फिर जहरीली शराब से मौत हुई है। मोतिहारी में 5 लोगों की जान चली गई, जबकि 15 की हालत गंभीर है। इनमें से 6 की आंखों की रोशनी चली गई है। सभी का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। बीमार लोगों में से 2 की हालत नाजुक बनी हुई है। मामला रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा गांव से शुरू हुआ और अब आसपास के इलाकों में फैल गया है। रघुनाथपुर थाना के बालगंगा के संपत साह ने दोपहर 1 बजे मुजफ्फरपुर के अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

इससे पहले सुबह परीक्षण मांझी (46), और हीरालाल भगत की मौत हो गई। जबकि पहली मौत कल सुबह और दूसरी कल गुरुवार रात को हुई। शराबकांड पर एसपी ने कार्रवाई की है।

तेजस्वी बोले-

बिहार में शराबबंदी फेल

मोतिहारी शराबकांड पर तेजस्वी यादव ने सरकार को घेरा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, '4 लोगों की मौत, 6 लोगों की आंखों की रोशनी चले जाना और कई लोगों की हालत गंभीर होना अत्यंत दुखद है। यह बिल्कुल भी पहली बार नहीं है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार शराबबंदी लागू होने के बाद से अब तक बिहार में जहरीली शराब से 1300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। यह तो केवल सरकारी आंकड़ा है, हकीकत में यह संख्या इससे अधिक है।

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन किए

भोपाल। उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर जी के दर्शन एवं पूजन किया। दर्शन उपरांत श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक श्री एस.एन. सोनी द्वारा उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल का स्वागत एवं सत्कार किया गया।

जीवनसिंह ठाकुर की स्मृति में कथा-सृजन का सजीव उत्सव

(भावेश कानूनगो)

जीवनसिंह ठाकुर की कहानियों में आम व्यक्ति की सशक्त अभिव्यक्ति मिलती है। उनकी कहानियाँ समाज के लिए आईने का कार्य करती हैं।

यह बात देवास में आयोजित प्रेमचंद सृजन पीठ, उज्जैन द्वारा देवास के वरिष्ठ कथाकार स्वर्गीय जीवनसिंह ठाकुर की स्मृति में प्रेमचंद की परंपरा में कथा-लेखन एवं कथाकार जीवनसिंह ठाकुर की कथा-दृष्टि विषय पर आयोजित व्याख्यान एवं कहानी-पाठ कार्यक्रम में इंदौर की साहित्यकार डॉ. गरिमा संजय दुबे ने कही। प्रेमचंद सृजन पीठ, उज्जैन द्वारा आयोजित यह गरिमामय एवं सार्थक कार्यक्रम देवास में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. गरिमा संजय दुबे, प्रेमचंद सृजन पीठ के निर्देशक मुकेश जोशी तथा मनोरमा सोलंकी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों एवं कहानी-पाठ करने वाले कथाकारों का स्वागत शर्मिला ठाकुर, नवनीत जैन, श्रवण कानूनगो, अमेय कान्त तथा पायल कानूनगो आदि ने किया, जबकि शब्दों द्वारा स्वागत शांतनु बहरे ने किया। कहानी-पाठ सत्र में नरेश कानूनगो ने 'जीवन चलने का नाम', भावेश कानूनगो ने 'वह चला गया', श्रीमती शक्ति वैद्य ने 'मूंछों वाला घर', श्रीमती सुमन कुमावत ने 'अखबार वाला' तथा श्रीमती मीनाक्षी दुबे ने 'दयनीय दंभ' का प्रभावी पाठ किया। उज्जैन से पधारे कथाकार श्री कमलेश व्यास 'कमल' ने अवसाद-प्रधान कहानी की अनूठी प्रस्तुति दी, जिसे श्रोताओं ने सराहा। इसके अतिरिक्त चयन कानूनगो ने जीवनसिंह ठाकुर की कहानी 'एक थो राजा विक्रमोदित' का जीवंत पाठ प्रस्तुत किया।

अपने उद्बोधन में डॉ. गरिमा संजय दुबे ने कहा कि जीवनसिंह ठाकुर की कहानियों में आम व्यक्ति की पीड़ा, संवेदना और संघर्ष की सशक्त अभिव्यक्ति मिलती है। उनकी कहानियाँ समाज के लिए आईने का कार्य करती हैं। उनकी लेखन-शैली प्रेमचंद की परंपरा की संवाहक है। जिस प्रकार प्रेमचंद की कहानियाँ आज भी प्रासंगिक हैं, उसी प्रकार जीवनसिंह ठाकुर की कहानियों में भी वही जीवंतता और यथार्थपरकता दिखाई देती है।

डॉ. दुबे ने ठाकुर की चर्चित कहानियों–'सरासर', 'पीठासीन की डायरी', 'सुरंग में फँसे लोग', 'आशियाना', 'शीर्षकहीन' तथा 'एक थोड़ी-सी जगह'–का उल्लेख करते हुए उनकी समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

वरिष्ठ कथाकार मनीष वैद्य ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जीवनसिंह ठाकुर ने 1970 के दशक में देवास जिले के छोटे से गाँव पूजापुरा में रहते हुए 'दिनमान', 'धर्मयुग' और 'साप्ताहिक हिंदुस्तान' जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में स्थान प्राप्त किया, जो उनकी प्रतिभा और लेखन-सामर्थ्य का परिचायक है। उन्होंने ठाकुर के व्यक्तित्व में मालवी संकोच का उल्लेख करते हुए बताया कि लंबे समय तक सक्रिय लेखन के बावजूद उनकी पहली पुस्तक एक दशक बाद प्रकाशित हुई।

इस अवसर पर मुकेश तिवारी के प्रेमचंद सृजन पीठ के अध्यक्ष बनने पर देवास के वरिष्ठ साहित्यकारों–प्रकाश कान्त, विजय श्रीवास्तव, मनीष वैद्य तथा मनीष शर्मा–द्वारा उनका स्वागत किया गया।

कार्यक्रम अत्यंत भावनात्मक रहा, जिसमें शहर के रचनाकारों एवं नागरिकों ने स्वर्गीय जीवनसिंह ठाकुर को भावांजलि अर्पित की। अंत में श्री मुकेश जोशी ने आभार प्रदर्शन करते हुए आयोजन की सराहना की तथा इसे देवास में आयोजित करने के लिए श्री मनीष वैद्य के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का संचालन श्री मनीष शर्मा ने किया। इस अवसर पर स्वर्गीय जीवनसिंह ठाकुर के परिजन एवं देवास के अनेक साहित्य-प्रेमी उपस्थित रहे।

हाई कोर्ट ने नौलखा पर बार-बार लगने वाले जाम पर संज्ञान लेकर जवाब मांगा

हाई कोर्ट ने पूछा कि 6 साल पुराने आदेश पर अब तक क्या किया गया

इंदौर। प्रशासन नौलखा चौराहे पर बार-बार लगने वाले जाम से निजात नहीं दिला पा रहा है। बुधवार को भी यहां लंबा जाम लगा था। गुरुवार को मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों को फिर तलब किया। कोर्ट ने अधिकारियों से पूछा कि साल 2019 में दिए गए निर्देशों का पालन क्यों नहीं हुआ! उस समय ट्रैफिक सुधार और जाम से राहत के लिए स्पष्ट आदेश जारी किए गए थे। कोर्ट ने कहा कि 20 अप्रैल को अगली सुनवाई में विस्तृत जवाब पेश करें, बताएं कि अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। आगे की योजना क्या है! यह भी स्पष्ट करें कि आदेशों की अनदेखी के लिए जिम्मेदार कौन है! यह मामला 2018 से चल रहा है। 2018 में ट्रैफिक जाम पर जनहित याचिका दायर की गई थी। 4 अप्रैल 2019 को प्रशासन से ट्रैफिक सुधार के उपाय मांगे गए। 22 जुलाई 2025 को प्रशासन, पुलिस, नगर निगम ने सुझाव दिए। इसके बाद 2 अगस्त 2025 को कोर्ट ने कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर, ट्रैफिक, नगर निगम की हाई लेवल कमेटी बनाई। 8 सितंबर 2025 तक विस्तृत ट्रैफिक प्लान मांगा गया, जो अभी तक नहीं दिया। नौलखा चौराहे से हर घंटे करीब 40 हजार वाहन गुजरते हैं। यहां जाम की स्थिति सीधे शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पर असर डालती है। कोर्ट ने संकेत दिया है कि अगली सुनवाई तक संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जा सकती है।

हाई कोर्ट के 2019 के निर्देश

हर चौराहे पर जवान होना चाहिए, पीक आवर्स में तीन से चार जवान जरुरी में हों, सिग्नल की टाइमिंग एक जैसी हो, ताकि दूसरे सिग्नल्स पर रुकना नहीं पड़े, जेब्रा क्रॉसिंग, लेफ्ट टर्न खुले हों। जबकि, अभी की स्थिति में पीक ऑवर्स में छावनी, पाटनीपुरा, नौलखा, एलआईजी, रोबोट चौराहा, विजय नगर, इंडस्ट्री हाउस, बड़ा गणपति, अग्रसेन चौराहा, मधुमिलन चौराहा, मालवा मिल चौराहा, राजीव गांधी चौराहा, राजेंद्र नगर चौराहा पर ट्रैफिक जाम आम बात है। सुनवाई में कोर्ट ने पूर्व आदेश की भावना को दोहराते हुए प्रतिवादियों को निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि यह विषय केवल प्रशासनिक सुविधा का नहीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा, समय की बचत और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ा है।

विहिप का राऊ थाने में हंगामा, पुलिस पर आरोप

इंदौर। बुधवार देर रात विश्व हिंदू परिषद (विहिप) कार्यकर्ताओं ने राऊ थाने में जमकर हंगामा किया। जिला सहमंत्री राम दांगी के साथ कथित धक्का-मुक्की और बदसलूकी से नाराज कार्यकर्ता करीब डेढ़ घंटे तक थाने में डटे रहे और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। विवाद की शुरुआत तब हुई जब पुलिस एक युवक को मादक पदार्थ के संदेह में थाने लाई। उसके परिजन थाने पहुंचे, जहां उन्हें भी बैठाए जाने का आरोप है। सूचना मिलने पर राम दांगी पहुंचे और बातचीत के दौरान प्रधान आरक्षक पवन त्रिपाठी पर अपशब्द कहने और धक्का देने का आरोप लगाया गया। हंगामे के बीच टीआई राजपाल सिंह राठौर ने समझाइश दी, लेकिन कार्यकर्ता कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। उनका आरोप था कि क्षेत्र में नशे का कारोबार जारी है और पुलिस अनदेखी कर रही है। मामले की सूचना मिलते ही एसीपी निधि सक्सेना मौके पर पहुंचीं और जांच का भरोसा दिया।

टर्मिनल-1 को क्लीयरेंस का इंतजार

इंदौर। तीन दिन पहले एयरपोर्ट पर ओल्ड टर्मिनल बिल्डिंग में टर्मिनल-1 का उद्घाटन पिछले दिनों हो गया। लेकिन, अभी तक विमानों का संचालन शुरू नहीं हुआ। बताया गया कि ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) से सुरक्षा स्वीकृति नहीं मिली है। इसके लिए दिल्ली से आई टीम ने इंस्पेक्शन भी कर लिया है। बीसीएएस से क्लीयरेंस मिलने के साथ ही संचालन शुरू हो जाएगा। सीआईएसएफ की अतिरिक्त टीम के लिए भी प्रक्रिया पूरी कर ली है। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार सारी प्रक्रिया पूरी कर दी है। अनुमति मिलते ही टर्मिनल-1 से ऑपरेशन शुरू हो जाएंगे। कब तक ऑपरेशन शुरू होंगे, अनुमति आने वाले कुछ दिनों में मिलने की उम्मीद है। टर्मिनल-1 से सभी एटीआर फ्लाइटों का संचालन किया जाएगा। 16 फ्लाइटें संचालित होंगी। जो फ्लाइटें संचालित होंगी, उसकी तैयारियां भी पूरी हैं।

खेल रहे बच्चे को कार ने कुचला

इंदौर। शहर के लसूड़िया थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां घर के बाहर खेल रहे चौकीदार के मासूम बच्चे को कार ने कुचल दिया। हादसे में बच्चे के दोनों पैर फ्रैक्चर हो गए और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना बॉम्बे हॉस्पिटल के पीछे स्थित शांति निकेतन कॉलोनी की है। सामने आए सीसीटीवी फुटेज में कार चालक की लापरवाही साफ नजर आ रही है, जिसमें वाहन सीधे बच्चे के ऊपर चढ़ता दिख रहा है। हादसे के तुरंत बाद कार मालिक संजय ने मानवता दिखाते हुए घायल बच्चे को अस्पताल पहुंचाया और इलाज शुरू करवाया। इसके बाद वह खुद ड्राइवर को लेकर थाने पहुंचे। लसूड़िया पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के अनुसार सीसीटीवी के आधार पर जांच जारी है और दोषी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षा के दौरान होलकर कॉलेज में बवाल

इंदौर। शहर के होलकर साइंस कॉलेज में परीक्षा के दौरान छात्रों द्वारा हंगामा और तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। घटना के बाद कॉलेज प्रशासन और पुलिस हरकत में आ गई है। जानकारी के मुताबिक एमएससी फर्स्ट ईयर की सीसीई परीक्षा के दौरान लैब क्रमांक-1 में कुछ छात्र जबरन घुस गए। उन्होंने वहां हंगामा करते हुए तोड़फोड़ शुरू कर दी, जिससे परीक्षा बाधित हो गई और परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्राचार्य की शिकायत पर भंवरकुआं थाना पुलिस ने विकेंद्र सिंह, लोकपाल, चमनदीप, अभय गुर्जर सहित अन्य के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया है। वहीं शांति भंग करने के आरोप में चार छात्रों को गिरफ्तार कर धारा 151 के तहत जेल भेज दिया गया। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि मामले की जांच जारी है। घटना के बाद कॉलेज परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बाणेश्वरी कुंड में युवक-युवती को पीटने वालों में कार जलाने वाला

शिवा गौंड ने एक कार सहित पांच गाड़ियों में आग लगाई

इंदौर। बाणगंगा में एक कार और दो बाइक में आगजनी के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली। इस मामले में शिवा गोंड को हिरासत में लिया है। आरोपी के साथ उसके साथी भी थे। उसने तीन नही पांच गाड़ियों में आग लगाई। दो मामले में एफआईआर नहीं हुई। शिवा के अपराधिक रिकॉर्ड पुलिस खंगाल रही है। बाणगंगा के वृंदावन कॉलोनी में रविन्द्र पाल की शिकायत पर आगजनी के तीन मामले में एफआईआर दर्ज की थी। सुबह 5 बजे बदमाश ने पहले उनकी कार में आग लगाई। इसके बाद शेफ भागवत राव और प्रेमसिंह की खड़ी बाइक में आग लगा दी। आरोपी ने इसके बाद दो ओर लोगों की बाइक को भी आग के हवाले किया था। लेकिन, पुलिस ने मामले में तीन आगजनी को लेकर ही एफआईआर दर्ज की है। शिवा आसपास के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ था।

पुलिस पहले से ढूंढ रही

आरोपी ने सोमवार को बाणेश्वरी कुंड में बैठे युवक-युवती के साथ मारपीट की थी। आरोपी के साथ उसके साथी भी थे। उन्होंने मंदिर में अश्लीलता परोसने की बात कही थी। हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद शिवा की पहचान हुई थी। शिवा इलाके में लोगों से रुपए छीनने और ऐसे ही ब्लैकमेल करने के काम करता है। पुलिस उसके अपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। आरोपी ने जब गाड़ियों में आग लगाई तब वह नशे में था। बाणगंगा पुलिस की टीम उससे पूछताछ कर रही है।

अवैध कृष्णबाग कॉलोनी के 71 मकान तोड़े जाएंगे, रहवासी लड़ाई नहीं जीते

न्याय नगर संस्था की जमीन पर बसी कॉलोनी के वासी लड़ाई हारे

इंदौर। हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक की लड़ाई में हारे कृष्णबाग़ कॉलोनी के रहवासियों को अब हार के बाद नए खतरे का सामना करना पड़ेगा। पांच साल से चल रही इस लड़ाई में जुलाई 2024 में 15 से ज्यादा मकान बारिश के बीच टूटे। इसके बाद भी छिटपुट कार्रवाई हुई। फिर स्टे आने के बाद मामला अटक गया। इसके बाद श्रीराम बिल्डर्स ने फिर कोर्ट की शरण ली थी, वहां से जिला प्रशासन को जमीन खाली कराने के आदेश मिले हैं। इसके बाद जूनी इंदौर तहसील में आने वाली इस कॉलोनी के 71 मकानों को तोड़ने की तैयारी जिला प्रशासन ने शुरू कर दी है। कई दिनों से मौके पर निशान भी लगाए जा रहे थे और नोटिस भी जारी हुए थे। अब लगभग तैयारी पूरी हो चुकी है। अनुमान है कि इस सप्ताह कार्रवाई हो भी जाएगी। यहां मकान बनाकर रह रहे हर रहवासी की त्रासद कहानी है। कोई भिंड-मुरैना-ग्वालियर से निमाड़ से आकर यहां बसा तो कोई निमाड़ या झाबुआ से। कुछ लोगों ने किसी और से प्लॉट खरीदकर मकान बनाया। एक परिवार ने बताया कि 12 साल पहले उन्होंने 4 लाख रुपए में प्लॉट खरीदा था, फिर मकान बनाया। एक व्यक्ति ने बताया कि जिस व्यक्ति को प्लॉट बेचा था, मैंने उनसे 2014 में दोनों मकान खरीदे थे। इसमें से एक मकान में किराएदार थे, दूसरा खाली था। मुझे नोटिस की जानकारी नहीं मिली। एक हफ्ते पहले टीम क्रॉस का निशान लगाकर चली गई।

ताबड़तोड़ नोटिस का कारण

श्री राम बिल्डर्स तर्फे पार्टनर शशि भूषण खंडेलवाल ने हाई कोर्ट की इंदौर बेंच में याचिका 2023 में दायर की।इसमें 25 अक्टूबर 2023 को आदेश पारित कर 45 दिन में अतिक्रमण हटाए जाने के आदेश किए गए।इसका पालन न होने पर मेसर्स श्री राम बिल्डर्स ने अवमानना याचिका (109/2024) लगाई।इसमें 12 अप्रैल 2024 को डबल बेंच ने सुनवाई कर आदेशित किया कि 30 जून 2024 तक अनिवार्यत: अवैध कब्जा हटाकर न्यायालय के समक्ष पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। इसके बाद 26 अगस्त 2024 को कोर्ट ने आदेश पारित किया कि विवादित जमीन के संबंध में सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी लगी है, इसलिए उक्त अवमानना याचिका को स्थगित किया जाता है।

10 दिन का समय दिया - इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी उक्त याचिका पर हाई कोर्ट के निर्णय को ही आगे रखा। इसी कारण पुरानी याचिका फिर प्रभावशील हो गई और 31 मार्च 2026 को पेशी होना थी। इसी क्रम में जिला प्रशासन ने एसडीएम जूनी इंदौर और तहसीलदार के माध्यम से नोटिस जारी किए। 10 दिन में कब्जे, मकान हटाने का समय दिया गया। एसडीएम घनश्याम धनगर के मुताबिक कोर्ट के आदेश के क्रम में यहां कार्रवाई की जाएगी। यदि रहवासियों ने खुद नहीं हटाए तो एक पक्षीय कार्रवाई कर हटाएंगे।

फर्जी डॉक्टर का क्लिनिक सील बवासीर रोग का नकली विशेषज्ञ

पहले की शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं, इस बार तत्परता

इंदौर। प्रशासन ने पाटनीपुरा मेन रोड के एक फर्जी क्लिनिक पर कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। यहां के डॉ. राव पर बिना मेडिकल डिग्री के मरीजों का इलाज करने और बवासीर के मरीजों से पैसे वसूलने का आरोप था। 'राव दवाखाना' के खिलाफ 2023 में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को शिकायत की गई थी। इसके बाद सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई में भी मामला उठाया गया, लेकिन करीब तीन साल तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब जब फिर शिकायत हुई, तो कलेक्टर के निर्देश के बाद प्रशासन हरकत में आया और गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर दवाखाने को सील कर दिया।

कोई डिग्री नहीं डॉक्टर के पास

शिकायतकर्ताओं के अनुसार आरोपी खुद को डॉक्टर राव बताकर मरीजों का इलाज कर रहा था, जबकि उसके पास कोई वैध मेडिकल डिग्री नहीं थी। इससे मरीजों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ हो रहा था। मांग की गई है कि ऐसे फर्जी डॉक्टरों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में मरीजों की जान से खिलवाड़ न हो।

आसाराम का सुपर स्पेशलिटी में चेकअप

इंदौर। दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे आसाराम बापू को गुरुवार को शहर के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में मेडिकल चेकअप के लिए लाया गया। अनुयायी उन्हें गुपचुप तरीके से अस्पताल लेकर पहुंचे,जिससे किसी तरह की भीड़-भाड़ की स्थिति नहीं बनी। फिलहाल आसाराम पैरोल पर जेल से बाहर है और इंदौर के खंडवा रोड स्थित अपने आश्रम में रुका हुआ है। पैरोल अवधि के दौरान उन्हें प्रवचन देने या अनुयायियों से मिलने की अनुमति नहीं है। अस्पताल के अधीक्षक डॉ.डीके शर्मा के अनुसार, आसाराम को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए लाया गया था। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी वह इसी अस्पताल में जांच के लिए पहुंचे थे। गौरतलब है कि आशाराम नाबालिग और महिला से दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहा है, और फिलहाल न्यायालय की शर्तों के तहत पैरोल पर है।

हेलमेट नहीं पहनने पर 3 माह में 1.03 लाख चालकों पर कार्रवाई

ट्रैफिक पुलिस ने 3900 हेलमेट बांटे, दिया सुरक्षा का संदेश

इंदौर। शहर की सड़कों को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए इंदौर पुलिस का 'हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें' अभियान लगातार असर दिखा रहा है। यातायात पुलिस के इस अभियान में सख्ती के साथ जागरूकता पर भी बराबर जोर दिया जा रहा है। पिछले तीन महीनों में बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले 1,03,358 चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस का मानना है कि सड़क दुर्घटनाओं में सिर की चोट सबसे घातक होती है, जिसे हेलमेट पहनकर काफी हद तक रोका जा सकता है। यातायात पुलिस एक और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्रवाई कर रही है, वहीं दूसरी ओर चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर अनाउंसमेंट के जरिए लोगों को हेलमेट के महत्व से अवगत करा रही है।

अभियान के तहत 25 विशेष कार्यक्रम आयोजित कर जनसहयोग से 3900 हेलमेट भी वितरित किए गए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह पहल केवल कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों की सोच में बदलाव लाने का प्रयास है। आमजन से अपील की गई है कि वे अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हमेशा हेलमेट पहनें और यातायात नियमों का जिम्मेदारीपूर्वक पालन करें। सड़क पर सुरक्षा ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

भोजशाला विवाद पर हाईकोर्ट सख्त, 6 अप्रैल से रोज सुनवाई

सभी की दलील सुनी जाएंगी, एएसआई रिपोर्ट पर बहस

इंदौर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने धार स्थित भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद विवाद मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए 6 अप्रैल से नियमित सुनवाई करने का निर्णय लिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सभी पक्षों और हस्तक्षेप कर्ताओं की दलीलें क्रमवार सुनी जाएंगी। भोजशाला को हिंदू पक्ष वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष इसे कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है और लंबे समय से विवाद का केंद्र बना हुआ है। मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने एएसआई सर्वे की वीडियोग्राफी और तस्वीरें उपलब्ध नहीं कराने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि आगामी आपत्तियां इन्हीं साक्ष्यों पर निर्भर होंगी। शीर्ष अदालत ने फिलहाल हस्तक्षेप से इनकार करते हुए भरोसा जताया है कि हाईकोर्ट सभी पक्षों को सुनकर न्यायसंगत निर्णय देगा। एएसआई की रिपोर्ट में मंदिर के अवशेषों के संकेत मिलने का दावा किया गया है, जबकि मुस्लिम पक्ष ने इसे खारिज करते हुए सर्वेक्षण प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं।

दर्ज आपत्तियों पर विचार

सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद विवाद मामले में बुधवार को कहा कि उसे इस बात पर कोई संदेह नहीं है कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट एएसआई सर्वे के दौरान वीडियोग्राफी में दर्ज आपत्तियों पर उचित रूप से विचार करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। मामला मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। सोसाइटी ने हाईकोर्ट में आवेदन देकर एएसआई सर्वे की वीडियो रिकॉर्डिंग और फोटो प्रस्तुत करने की मांग की थी।

हाईकोर्ट ने इस आवेदन पर तत्काल सुनवाई न करते हुए कहा था कि इसे अंतिम सुनवाई के समय देखा जाएगा, जिसके खिलाफ याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि हम हाईकोर्ट से कहेंगे कि वह वीडियोग्राफी देखे और उसमें दर्ज आपत्तियों का ध्यान रखे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि एएसआई द्वारा तैयार सर्वे रिपोर्ट सभी पक्षों को दी जा चुकी है और कुछ पक्षों ने अपनी आपत्तियां भी दाखिल कर दी हैं। साथ ही सर्वे के दौरान वीडियोग्राफी भी की गई, जिसमें याचिकाकर्ता की आपत्तियां दर्ज हैं।

मुआवजा व अनुकंपा नौकरी की मांग

इंदौर। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सफाई कर्मचारी पवन की सड़क हादसे में मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। 10 मार्च को सरवटे बस स्टैंड के सामने ड्यूटी के दौरान अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी थी। हादसे के बाद उनका शव एक दिन तक मौके पर ही पड़ा रहा, जिसे स्थानीय रहवासियों ने बाद में एमवाय अस्पताल पहुंचाया। मामले में 27 मार्च को छोटी ग्वालटोली थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई। संयुक्त कर्मचारी कामगार मोर्चा ने इस घटना को लेकर निगम प्रशासन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। मोर्चा के संयोजक हरीश नागर के नेतृत्व में निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की गई। संगठन ने मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपए मुआवजा और अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग उठाई है। अपर आयुक्त नरेंद्र नाथ पांडे ने सहानुभूति जताते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

संपादकीय

मप्र में कांग्रेस की उलझन

मप्र में कांग्रेस एक और विधायक को आपराधिक मामले में अदालत द्वारा सजा देने के बाद उसकी विधानसभा सदस्यता समाप्त कराने के मामले में जो असाधारण फुर्ती दिखाई गई, उसको लेकर सवाल उठ रहे हैं। दतिया से कांग्रेस विधायक राजेन्द्र भारती को आर्थिक धोखाधड़ी के मामले में गुरूवार को दिल्ली की एमपी एमएलए कोर्ट से तीन साल की सजा सुनाई गई। बताया जाता है कि दोपहर में सजा सुनाने के बाद विधानसभा प्रमुख सचिव अचानक देर रात विधानसभा पहुंचे और विधानसभा सचिवालय ने राजेंद्र भारती की विधायकी खत्म करने का आदेश जारी कर दिया। हालांकि आदेश जारी होने की आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। अलबत्ता इस घटनाक्रम की जानकारी मिलते ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा समेत अन्य कांग्रेसी भी विधानसभा पहुंच गए और विधानसभा प्रमुख सचिव के कक्ष में जाकर उनसे मुलाकात की और अचानक दफ्तर आने की वजह पूछी। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि कोर्ट ने भारती को ऊपरी अदालत में अपील करने के लिए 60 दिनों का समय दिया हुआ है। ऐसे में उनकी सदस्यता खत्म करना सही नहीं है। गए हैं। गौरतलब है कि दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को 27 साल पुराने एफडी हेराफेरी मामले में दोषी करार दिया है। गुरुवार को कोर्ट ने उन्हें 3 साल की सजा सुनाई और जमानत दे दी। उन्हें आपराधिक साजिश (धारा 120B) और धोखाधड़ी व जालसाजी (धारा 420, 467, 468, 471) में दोषी माना गया है। सह-आरोपी बैंक लिपिक रघुवीर प्रजापति को भी दोषी ठहराया गया है। राजेन्द्र भारती को ऊपरी अदालत राहत देती या नहीं, यह आगे की बात है। लेकिन राहत मिलने की संभावना कम है, क्योंकि मामला धोखाधड़ी का है। लेकिन कांग्रेस की चिंता भारती के राजनीतिक भविष्य से ज्यादा जून में होने वाले राज्यसभा चुनाव की है। विधायकों की संख्या के मुताबिक इस बार कांग्रेस को एक सीट मिल सकती है, बशर्ते कि उसके पास 58 विधायक हों। अन्यथा भाजपा तीसरा उम्मीदवार खड़ा करके क्रॉस वोटिंग कर उसे भी जितवा सकती है, जैसा कि कुछ दूसरे राज्यों में हाल में हुआ है। प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के 65 सदस्य हैं। श्योपुर जिले के विजयपुर विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के विधायक मुकेश मल्होत्रा की विधायकी पर तलवार लटकी है और उन्हें वोट डालने से रोका गया है। वहीं, सागर जिले की बीना से विधायक निर्मला सप्रे दलबदल के मामले में घिरी हैं। पार्टी उन्हें भाजपा के साथ मानकर चल रही है। हालांकि कोर्ट में निर्मला सप्रे ने कांग्रेस में ही होने की बात कही है। निर्मला चाहती हैं कि पार्टी उन्हें निकाले। लेकिन ऐसा हुआ तो कांग्रेस का एक वोट और कम हो जाएगा। इसके पूर्व कांग्रेस के एक और विधायक मुकेश मल्होत्रा चुनाव आयोग को गलत शपथ पत्र देने के मामले में सजायाफ्ता हो चुके हैं और ऊपरी अदालत ने उन्हें सशर्त स्टे दिया है। यानी वो राज्यसभा चुनाव में वोट नहीं डाल सकेंगे। अब अगर राजेन्द्र भारती का वोट भी कम हो गया तो भाजपा क्रॉस वोट करके तीसरी सीट भी निकाल सकती है। क्योंकि कांग्रेस के पास न्यूनतम 58 वोटों से पांच ही ज्यादा हैं। इनमें से भी तीन वोट नहीं कर पाए तो मामला उलझ सकता है। दूसरी भाजपा दो सीटें जीतने के बाद भी उसके पास 47 अतिरिक्त वोट बचते हैं। अगर कांग्रेस में थोड़ी सी सेंध लगा दे बाजी पलट सकती है। लिहाजा कांग्रेस में चिंता का माहौल है। उसके एक के बाद एक विधायक या तो किसी न किसी मामले में सजा पा रहे हैं अथवा पार्टी बदल रहे हैं। कांग्रेस नेतृत्व पार्टी को एकजुट नहीं रख पा रहा है। यह भाजपा के लिए बैठे बिठाए फायदेमंद सिद्ध हो रहा है।

तो दुनिया अंधेरे में डूब जाएगी

नजरिया

अमित बैजनाथ गर्ग

लेखक पत्रकार हैं ।

साल 2003 में अमेरिका द्वारा इराक पर आक्रमण के बाद क्षतिग्रस्त ऊर्जा सुविधाओं की मरम्मत में महीनों लग गए थे। करीब दो साल बाद ही उत्पादन युद्ध के पूर्व स्तर पर वापस आ पाया था। इस दौरान दुनिया को भारी ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ा था। विशेषज्ञों का कहना है कि क्षतिग्रस्त ऊर्जा उत्पादन बुनियादी ढांचे की मरम्मत में वर्षों लग जाते हैं। खासकर एलएनजी संयंत्र को नुकसान पहुंचना सबसे बुरा होता है। इसकी मरम्मत में कई साल लग सकते हैं। गैस संयंत्रों पर जवाबी हमलों के वैश्विक प्रभाव हैं। यह सर्वविदित है कि ऊर्जा व्यवधान ईंधन की कीमतों और आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करते हैं, जिसका असर अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। खाड़ी क्षेत्र यूरोप, एशिया और भारत के लिए एक प्रमुख ऊर्जा गलियारा बना हुआ है।

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के बहाने एक बार फिर दुनिया भर के एनर्जी सेक्टर को निशाना बनाया जा रहा है। हाल ही में ईरान और इजरायल ने पहली बार जीवाश्म ईंधन ऊर्जा उत्पादन से जुड़े संयंत्रों पर हमले किए, जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट की आशंका बढ़ गई है। असल में ऊर्जा को अब युद्ध का हथियार बनाया जा रहा है। इजराइल ने कतर के साथ साझा किए जाने वाले दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया। इसके बाद ईरान ने सऊदी अरब में तेल कंपनी अरामको की समरेफ रिफाइनरी के साथ-साथ कतर और यूएई में गैस सुविधाओं पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला कर जवाबी कार्रवाई की, जो युद्ध में खतरनाक मोड़ साबित हुई है। दुनिया का सबसे बड़ा साउथ पार्स गैस क्षेत्र भारत सहित वैश्विक एलएनजी आपूर्ति की रीढ़ है। इजरायली हमले के बाद तेल और गैस की कीमतों में आई वृद्धि दुनिया के तमाम देशों के साथ आम आदमी की कमर तोड़ने वाली साबित हो रही है।

वहीं इतिहास पर नजर डालने से पता चलता है कि साल 2003 में अमेरिका द्वारा इराक पर आक्रमण के बाद क्षतिग्रस्त ऊर्जा सुविधाओं की मरम्मत में महीनों लग गए थे। करीब दो साल बाद ही उत्पादन युद्ध के पूर्व स्तर पर वापस आ पाया था। इस दौरान दुनिया को भारी ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ा था। विशेषज्ञों का कहना है कि क्षतिग्रस्त ऊर्जा उत्पादन बुनियादी ढांचे की मरम्मत में वर्षों लग जाते हैं। खासकर एलएनजी संयंत्र को नुकसान पहुंचना सबसे बुरा होता है। इसकी मरम्मत में कई साल लग सकते हैं। गैस संयंत्रों पर जवाबी हमलों के वैश्विक प्रभाव हैं। यह सर्वविदित है कि ऊर्जा व्यवधान ईंधन की कीमतों और आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करते हैं, जिसका असर अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। खाड़ी क्षेत्र यूरोप, एशिया और भारत के लिए एक प्रमुख ऊर्जा गलियारा बना हुआ है।

वहीं युद्ध के बीच ईरान ने कहा है कि अगर उसके ऊर्जा ठिकानों पर दोबारा हमला हुआ, तो वह खाड़ी देशों के तेल और गैस सेक्टर को पूरी तरह तबाह कर देगा। ईरान की सैन्य यूनिट आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका और इजरायल ने ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमला कर बड़ी गलती की है। अगर ऐसा दोबारा हुआ, तो जवाब और भी ज्यादा खतरनाक होगा। इससे पहले ईरान के सबसे बड़े गैस क्षेत्र साउथ पार्स गल्फ फील्ड पर हमला हुआ था। यह दुनिया का सबसे बड़ा गैस फील्ड है, जो बुशहर के पास समुद्र में स्थित है। इसके तुरंत बाद ईरान ने कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को चेतावनी दी कि उनके तेल और गैस ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है। इसी दौरान कतर के रास लफान गैस प्लांट पर मिसाइल हमला हुआ, जिससे वहां भारी नुकसान हुआ और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई।

एनर्जी सेक्टर पर लगातार हमले यह दिखाते हैं कि अब यह जंग सिर्फ सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रही है, बल्कि दुनिया की एनर्जी सप्लाई भी सीधे खतरे में आ गई है। अगर हालात ऐसे ही बिगड़ते रहे, तो तेल और गैस की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है और इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। इधर, ईरान में जारी जंग की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में स्थिति बेहद खराब बनी हुई है। सैकड़ों की संख्या में जहाज फंसे हुए हैं, जिस वजह से ग्लोबल लेवल पर ऊर्जा संकट बना हुआ है। गौरतलब है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दुनिया के 20 फीसदी तेल का एक्सपोर्ट किया जाता है। इसको लेकर अमेरिका ने हाल ही में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर हमला किया था, जिसके बाद स्थिति और भी ज्यादा खतरनाक बन गई है। असल में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच शुरू हुआ यह टकराव अब तेल युद्ध में तब्दील हो चुका है, जो लगातार खतरनाक मोड़ लेता जा रहा है। आगे हालात और भी भयावह होने की उम्मीद जताई जा रही है।

वहीं ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाने के कारण दुनिया पहले से ही कच्चे तेल की आपूर्ति में व्यवधान से जूझ रही है। ऐसे में उत्पादन सुविधाओं को होने वाली किसी भी क्षति का प्रभाव वर्षों तक बना रह सकता है। एक अनुमान के अनुसार, साउथ पार्स गैस क्षेत्र में 1,800 ट्रिलियन क्यूबिक फीट गैस का भंडार है, जो दुनिया की कई वर्षों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। तेहरान के लिए साउथ पार्स उसकी ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है। ईरान की लगभग 80 फीसदी बिजली इसी गैस क्षेत्र से उत्पन्न होती है। यह गैस क्षेत्र केवल ईरान का नहीं है। ईरान इसे कतर के साथ साझा करता है, जो अमेरिका का सहयोगी और दुनिया का सबसे बड़ा एलएनजी उत्पादक है। कतर के हिस्से को नॉर्थ फील्ड के नाम से जाना जाता है, जहां से बड़ी मात्रा में एलएनजी वैश्विक बाजारों में निर्यात की जाती है।

असल में दुनिया ऊर्जा की अभूतपूर्व बढ़ती मांग, 1.18 अरब लोगों तक बिजली न पहुंचने (ऊर्जा गरीबी) और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता के कारण भारी संकट से जूझ रही है। चीन के नेतृत्व में कोयला खपत और भू-राजनीतिक तनावों ने इस संकट को जटिल बना दिया है, जबकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर तत्काल पहुंचने की आवश्यकता है। ऊर्जा की बढ़ती मांग के साथ नवीकरणीय ऊर्जा ने रिकॉर्ड बनाया, लेकिन साथ ही जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, गैस) की खपत भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर है। विकासशील क्षेत्रों में विशेष रूप से उप-सहारा अफ्रीका में करोड़ों लोग अभी भी विश्वसनीय बिजली या स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन से वंचित हैं। ऊर्जा प्रणालियां ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम संबंधी आपदाएं भी ऊर्जा बुनियादी ढांचे (विशेष रूप से बिजली पारेषण ग्रिड) को नुकसान पहुंचा रही हैं, जिससे 20 करोड़ से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं।

इधर, यूक्रेन और रूस संकट तथा अन्य भू-राजनीतिक अस्थिरता ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान डाला है। जीवाश्म ईंधन में कमी के बजाय कुछ क्षेत्रों में कोयले की मांग में 50 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। असल में स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से जुड़ाव ही एकमात्र रास्ता है, जिसके लिए नई प्रौद्योगिकियों और इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश की आवश्यकता है। दुनिया भर के देश ऊर्जा सुरक्षा के लिए पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता कम करके अक्षय ऊर्जा (सौर, पवन, हाइड्रोजन) का विविधीकरण कर रहे हैं। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच बढ़ाने से स्वास्थ्य और पर्यावरण में सुधार की संभावना है। वहीं चीन की ऊर्जा मांग में चरम पर पहुंचने के बाद कमी आने की संभावना है, जो वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य को बदल सकती है।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने पिछले साल बताया था कि दुनिया में करीब 730 मिलियन लोग ऐसे हैं, जो बिजली के बिना रहते हैं। उन्हें बिजली से जोड़ने की दिशा में प्रगति 2020 से रुकी हुई है। वहीं भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में ऊर्जा संकट का प्रमुख कारण यह है कि बिजली की मांग उसकी आपूर्ति से कहीं अधिक है, जो कि लगातार बढ़ रही है। वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्र में बिजली की खपत अधिक है और यह लगातार बढ़ रही है, क्योंकि भारत सहित कई देश अभी भी विकास के दौर में है। अब सबसे बड़ी चुनौती जीवाश्म ईंधनों का विकल्प तलाशते हुए स्वच्छ ऊर्जा से इस बढ़ती मांग को पूरा करना है। स्वच्छ, प्रचुर, सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा का भविष्य संभव है, बशर्ते कि दुनिया वित्त, नीति और बुनियादी ढांचे में मौजूद कमियों को दूर कर सके। साल 2030 तक सभी के लिए सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और नीतियों को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। हमें इसके लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। वहीं युद्ध और संघर्षों से एनर्जी सेक्टर को हर हाल में बचाना होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो दुनिया अंधेरे में डूब जाएगी।

संसाधन, वैश्विक राजनीति और भारत की रणनीतिक चुनौतियां

सामयिक

सुधीन्द्र मोहन शर्मा

लेखक पर्यावरण मामलों के जानकार हैं।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों, संघर्षों और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को समझना सहज कार्य नहीं है। यह केवल देशों के बीच शक्ति प्रदर्शन का खेल नहीं, बल्कि संसाधनों, रणनीति, इतिहास और दीर्घकालिक हितों का जटिल मिश्रण है। आज जब दुनिया तेजी से बदल रही है, तब 'संसाधन' शब्द का अर्थ भी पारंपरिक सीमाओं से बाहर निकल चुका है। जहाँ कभी तेल, गैस और खनिज ही शक्ति के प्रमुख स्रोत माने जाते थे, वहीं अब डेटा, खाद्य सुरक्षा, तकनीकी क्षमता और मानव संसाधन भी उतने ही निर्णायक बन चुके हैं।

यदि अमेरिका, रूस या ईरान के पास विशाल तेल भंडार हैं, तो वे उनकी सामरिक और आर्थिक शक्ति का आधार हैं। ठीक उसी प्रकार भारत के पास विशाल जनसंख्या से उत्पन्न डेटा, तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था और मजबूत कृषि आधार है, जो उसे न केवल आत्मनिर्भर बना सकते हैं, बल्कि वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में स्थापित कर सकते हैं। इस दृष्टि से भारत के संसाधन पारंपरिक अर्थों में भले अलग हों, लेकिन उनकी उपयोगिता और प्रभाव कम नहीं हैं—बल्कि भविष्य में और अधिक बढ़ने की संभावना है।

वैश्विक संघर्षों की वास्तविकता: बहु-आयामी कारण

अक्सर यह धारणा बनाई जाती है कि यूक्रेन या पश्चिम एशिया के संघर्ष केवल संसाधनों—विशेषकर तेल और गैस—के लिए हो रहे 'प्रॉक्सी वॉर' हैं। इसमें आंशिक सच्चाई अवश्य है। ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और भू-रणनीतिक स्थानों का महत्व इन संघर्षों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

किन्तु इन संघर्षों को केवल संसाधनों की दृष्टि से देखना एक सरलीकरण होगा। उदाहरण के लिए, यूक्रेन का संघर्ष केवल ऊर्जा आपूर्ति का प्रश्न नहीं, बल्कि सुरक्षा गठबंधनों, क्षेत्रीय प्रभाव और वैश्विक शक्ति संतुलन का भी मुद्दा है। इसी प्रकार पश्चिम एशिया में संघर्षों के पीछे धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक कारक भी गहराई से जुड़े हुए हैं।

अतः यह समझना आवश्यक है कि आधुनिक युद्ध और संघर्ष 'एक कारण' से नहीं, बल्कि कई परतों वाले कारणों से संचालित होते हैं, जिनमें संसाधन एक महत्वपूर्ण, परंतु अकेला कारक नहीं हैं।

डेटा: 21वीं सदी का नया तेल

आज के डिजिटल युग में डेटा को 'नया तेल' कहा जाना केवल एक रूपक नहीं, बल्कि एक वास्तविकता है। जिस प्रकार 20वीं सदी में तेल ने वैश्विक राजनीति को आकार दिया, उसी प्रकार 21वीं सदी में डेटा वैश्विक शक्ति संरचना को प्रभावित कर रहा है।

भारत इस संदर्भ में एक अनूठी स्थिति में है। यहाँ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है, डिजिटल भुगतान प्रणाली विश्व में अग्रणी है और सोशल मीडिया तथा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर विशाल मात्रा में डेटा उत्पन्न हो रहा है। यह डेटा न केवल आर्थिक मूल्य रखता है, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चिंता यह उठती है कि क्या यह डेटा विदेशी कंपनियों के माध्यम से अन्य देशों के नियंत्रण में जा रहा है। यह चिंता पूरी तरह निराधार नहीं है, लेकिन यह भी सत्य है कि भारत ने इस दिशा में नियामक कदम उठाए हैं—जैसे डेटा संरक्षण कानून, डिजिटल नियमावली और डेटा लोकलाइजेशन की पहल।

इसका अर्थ यह है कि भारत धीरे-धीरे अपने डेटा पर नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। चुनौती यह है कि इस प्रक्रिया को संतुलित रखा जाए—न तो नवाचार और निवेश बाधित हों, और न ही राष्ट्रीय हितों से समझौता हो।

कृषि: केवल अर्थव्यवस्था नहीं, अस्तित्व का प्रश्न

भारत की कृषि केवल उत्पादन या व्यापार का विषय नहीं है, बल्कि यह देश की सामाजिक संरचना, ग्रामीण जीवन और खाद्य सुरक्षा का आधार है। भारत आज भी विश्व के उन देशों में है जहाँ बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है और लगभग 47 प्रतिशत रोजगार कृषि से मिलता है।

ऐसे में यदि विदेशी कृषि उत्पाद बड़े पैमाने पर भारतीय बाजार में प्रवेश करते हैं, विशेषकर कम कीमत पर, तो यह स्थानीय किसानों के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। इससे न केवल उनकी आय प्रभावित हो सकती है, बल्कि दीर्घकाल में कृषि आधारित अर्थव्यवस्था कमजोर पड़ सकती है।

हालाँकि, वैश्विक व्यापार के अपने लाभ भी हैं। यह नई तकनीकों के आगमन, उत्पादकता वृद्धि और निर्यात के अवसर प्रदान करता है। इसलिए प्रश्न यह नहीं है कि विदेशी व्यापार होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि वह किस प्रकार और किन शर्तों पर होना चाहिए।

नीतिगत स्तर पर यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि भारतीय किसानों के हितों की रक्षा हो, साथ ही उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम भी बनाया जाए।

रणनीतिक स्वायत्तता: भारत का संतुलन

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारत एक जटिल लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वह न तो पूरी तरह किसी एक शक्ति के साथ जुड़ा है, और न ही स्वयं को अलग-थलग रखता है। अमेरिका, रूस, यूरोप और अन्य देशों के साथ उसके संबंध विभिन्न स्तरों पर विकसित हो रहे हैं।

इसे 'रणनीतिक स्वायत्तता' कहा जाता है—अर्थात् भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार निर्णय लेने की स्वतंत्रता बनाए रखना चाहता है। यह नीति आसान नहीं है, क्योंकि इसमें लगातार संतुलन बनाना पड़ता है।

एक ओर भारत को तकनीक, निवेश और वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है, वहीं दूसरी ओर उसे अपने संसाधनों और आंतरिक संरचना की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी है। यही संतुलन उसकी कूटनीति की सबसे बड़ी परीक्षा है।

संसाधनों का सही उपयोग ही असली शक्ति है

भारत के पास आज जो संसाधन हैं—विशाल डेटा, कृषि क्षमता, युवा जनसंख्या और तकनीकी संभावनाएँ—वे उसे वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में आगे ले जा सकते हैं। लेकिन केवल संसाधनों का होना पर्याप्त नहीं है; उनका सही उपयोग, संरक्षण और रणनीतिक प्रबंधन ही वास्तविक शक्ति प्रदान करता है।

यदि भारत अपने डेटा को सुरक्षित रखते हुए उसका आर्थिक और तकनीकी लाभ उठाए, कृषि को संरक्षित करते हुए उसे आधुनिक बनाए, और वैश्विक संबंधों में संतुलन बनाए रखे, तो वह आने वाले समय में एक निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

अंततः, यह समय भारत के लिए अवसर और चुनौती दोनों लेकर आया है। संसाधन हमारे पास हैं—अब यह हम पर निर्भर करता है कि हम उन्हें अपनी ताकत बनाते हैं या अनजाने में अपनी कमजोरी।

हर कोई विशिष्ट है, विशिष्टता का सम्मान जरूरी

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

इसमें कोई दो मत नहीं कि हर कोई अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व की किसी न किसी विशिष्टता के चलते अपने आप में महत्वपूर्ण होता है। इस नाते कोई कम तो कोई ज्यादा सम्मान का पात्र भी होता है। लेकिन यह कतई जरूरी नहीं होता कि जो अपने आप को जिस सम्मान के योग्य समझता है, उसी अनुपात में उसे यथोचित सम्मान मिल सके। इसके चलते किसी-किसी को अपेक्षा से अधिक सम्मान मिल जाता है तो किसी को अपेक्षित सम्मान नहीं मिल पाता। ऐसी स्थिति में कोई प्रबल आत्मविश्वास से भर जाता है तो कोई कुंठित मानसिकता से ग्रस्त हो जाता है। दोनों ही स्थिति अनेक विषमताओं को जन्म देती है।

जीवन में ऐसे अनेक अवसर आते हैं जब हम अपेक्षित मान-सम्मान से अपने आप को वंचित पाते है। इसके चलते काफी हद तक मन व्यथित होता है और कभी-कभी तो किसी के प्रति दुराग्रह के भाव भी मन में पनपने लगते हैं। दरअसल हर किसी का किसी व्यक्तिविशेष के कद के आकलन का पैमाना अलग-अलग होता है। कोई धन को महत्व देता है, कोई पद एवं प्रतिष्ठा को महत्व देता है और कोई ज्ञान तथा अनुभव को महत्व दिया करता है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि किसी की नजरों में सामने वाले का धन वैभव, पद-प्रतिष्ठा और अनुभव या ज्ञान से परे किसी अन्य प्रकार की विशिष्टता ही सामने वाले को महत्वपूर्ण बनाती हो। हर किसी का अपना एक अलग नजरिया होता है।

दरअसल हर व्यक्ति की जीवन में प्राथमिकताएं अलग-अलग हुआ करती है। किसी भी व्यक्ति विशेष के लिए आखिर क्या महत्वपूर्ण है, इसका आकलन उसकी मानसिक स्थिति का अनुमान लगाकर सहज रूप से किया जा सकता है। वैसे संसार में कोई भी व्यक्ति अपने आप में पूर्ण रूप से संपूर्ण नहीं होता। हर किसी के जीवन में कोई न कोई कमी खटकती रहा करती है। जिस व्यक्ति में जो कमी होती है, उसकी पूर्णता के आधार पर सामने वाले के कद का आकलन किया जाने लगता है। इस संदर्भ में बेहतर यही होता है कि हम व्यक्ति के सहज मनोविज्ञान को समझते हुए हर समय हर किसी से अपनी अपेक्षा के अनुरूप सम्मान की अपेक्षा न करें।

हमें समझना चाहिए कि क्या पता वर्तमान दौर में हर व्यक्ति कहीं न कहीं उलझा हुआ हो। हर किसी के जीवन में कहीं कोई कमी ऐसी हो जिसके चलते उसका चित्त स्थिर अवस्था में नहीं हो। जिंदगी में अपने लक्ष्य को पाने की बेताबी के चलते वह अपने ही खयालों में खोया हुआ हो या कि शारीरिक या मानसिक दृष्टि से सामने वाला सामान्य स्थिति में नहीं हो। कुल मिलाकर यदि हम अपनी महत्वाकांक्षाओं को एक पल के लिए विराम देकर सामने वाले की स्थिति पर विचार कर लेवें, तो अनावश्यक रूप से अपने मन को खट्टा होने से बचा सकते हैं। ऐसी दृष्टि विकसित हो जाने पर व्यर्थ के संताप से भी काफी हद तक बचा जा सकता है।

वास्तव में महत्वाकांक्षाओं को हमें जीवन में आगे बढ़ने की ललक के रूप में लेना चाहिए। बेहतर हो यदि हम अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व में निरंतर निखार लाने की दिशा में समर्पित भाव से सक्रिय रहे। इस बात की अपेक्षा नहीं करें कि हमारी स्थिति तथा प्रतिभा को अतिरिक्त सम्मान की नजरों से देखा जाए। अन्यथा अपेक्षित परिणाम न मिलने पर अंतर्मन में निराशा के भाव जागृत होंगे, जिसके चलते प्रगति पथ पर बढ़ते कदम अवरुद्ध हो जाएंगे। अपेक्षा दुख का कारण बने, इसके पहले ही हम अपेक्षा के मनोभाव को ही तिलांजलि दे देवे, तो निश्चित ही अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का मार्ग प्रशस्त कर सकेंगे।

वैसे भी वर्तमान दौर की आपाधापी में हर किसी के लिए हर एक समय परिस्थितियां अनुकूल नहीं होती। हर तरफ तगड़ी प्रतिस्पर्धा का माहौल नजर आता है। इसके अतिरिक्त हर किसी को निजी अथवा पारिवारिक समस्याओं का सामना करने के लिए भी बाध्य होना पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त कहीं न कही किसी न किसी हद तक अपने कामकाज को लेकर भी तनाव हो सकता है। ऐसे में उससे यह अपेक्षा कैसे की जा सकती है कि वह सामने वाले के गुणों का सम्मान करने के लिए शिष्टाचार की औपचारिकता का निर्वहन करें ही करें। बेहतर हो यदि हम अपने महत्व की छाप औरों पर छोड़ कर प्रशंसा पाने की अपेक्षा वास्तव में अपनी काबिलियत को बढ़ाने की दिशा में ही दृढ़ संकल्पित रहे।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रीयल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.-453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी

कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल

संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी

स्थानीय संपादक
हेमंत पाल

प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

जब मेहनती मूषक जमीन खोदेंगे

व्यंग्य

जवाहर चौधरी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

फाइलों से चूहों का नाता बहुत पुराना है। चूहों के असली नाम कभी सार्वजनिक नहीं होते; बस फाइलें ही उनका 'आधार' जानती हैं। यही फाइलों की असली ताकत है। कुछ फाइलें तो 'नगरवधू' की तरह होती हैं, जिनको सूंघते हुए चूहे सात समंदर पार से गाते हुए खिंचे चले आते हैं - 'सलामे इश्क मेरी जान जरा कबूल कर लो, तुम हमको प्यार करवाने की जरा सी भूल कर लो।' फाइल के करीब आने के बाद देसी और विदेशी चूहों को अहसास होता है कि वे तो 'ब्रदर-इन-आर्म्स' हैं। फाइल के हमाम में सारे नंगू चूहे और नंगू होते हैं। बिल्ली के डर से चूहे फाइलों को इस कदर कुतर देते हैं कि सबूत की 'अस्थियाँ' भी न बचे।

जब जहाज डूबता है या युद्ध गले की हड्डी बन जाता है, तो मोटा चूहा पहले भागता है । मीडिया ने यह बात फैला रखी है, लेकिन चूहों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वे अब बदनामी को मस्त ओढ़ते-बिछाते हैं। वैसे भी, जनता अब बदनामी को ही लोकप्रियता मानने लगी है। जानकार बताते हैं कि दुनिया भर में चूहे ही राज कर रहे है। वे ज़माने लद गए जब चूहों को सिर्फ चूहा समझा जाता था । आज के दौर में जब दो चूहे वैश्विक मंच पर मिलते हैं, तो 'कुतरन एग्रीमेंट' पर हस्ताक्षर होते हैं– 'तुम मेरे यहाँ कुतरो, मैं तुम्हारे यहाँ कुतरूँगा।' ये समझौते और सहमतियाँ फाइलों में दर्ज होती हैं, क्योंकि जहाँ कुतरने की डील होती है, वहाँ फाइलें अनिवार्य होती हैं।

फाइलों से चूहों का नाता बहुत पुराना है। चूहों के असली नाम कभी सार्वजनिक नहीं होते; बस फाइलें ही उनका 'आधार' जानती हैं। यही फाइलों की असली ताकत है। कुछ फाइलें तो 'नगरवधू' की तरह होती हैं, जिनको सूंघते हुए चूहे सात समंदर पार से गाते हुए खिंचे चले आते हैं – 'सलामे इश्क मेरी जान जरा कबूल कर लो, तुम हमको प्यार करवाने की जरा सी भूल कर लो।' फाइल के करीब आने के बाद देसी और विदेशी चूहों को अहसास होता है कि वे तो 'ब्रदर-इन-आर्म्स' हैं। फाइल के हमाम में सारे नंगू चूहे और नंगू होते हैं। बिल्ली के डर से चूहे फाइलों को इस कदर कुतर देते हैं कि सबूत की 'अस्थियाँ' भी न बचे। जब कभी कोई फाइल बाहर आती है, तो देखने वाले समझ जाते हैं कि चूहों ने अपना मुंह काला कर लिया है। जो मामला वर्षों से टल रहा होता है, वह कुतरी फाइलों के कारण मजे में दबा रह जाता है।

इधर बिल्लियाँ खा-खाकर 'मोटापे' और 'आलस' का शिकार हैं। वे ज्यादातर समय आँखें बंद किए 'सिस्टम' की गोद गरम किये रहती हैं। लोग गोदी मीडिया का आरोप लगाते हैं उन्हें जान कर खुशी होगी कि गोदी सिस्टम भी मौजूद है । बावजूद इसके चूहे अब बिल्ली से नहीं बल्कि फाइलों से डरते हैं। एक चूहा दूसरे को फाइल के हवाले से डराता है, और कुछ बुद्धिजीवी इसी 'डराने-धमकाने' के खेल को राजनीति कह देते हैं। जिसे हम 'दफ्तर' कहते हैं, वह असल में चूहों का 'बैटलफील्ड' है। यहाँ चूहे 'ऑर्गनाइज्ड गैंग' बनाकर कुतरते हैं।

चतुर चूहे बहुत फुर्तीले होते हैं। जब कोई अलमारी खोलता है, तो उसे फाइलें कम और करतूतों की कुतरन ज्यादा मिलती है। फाइलों में कारोबार और लेन-देन का ब्यौरा होता है। ज्यादातर चूहे कारोबार में कम, लेन-देन में ज्यादा यकीन रखते हैं। यदि किसी जहाज में ये चूहे लग जाएँ, तो उसे डुबोकर ही दम लेते हैं। पिछले दिनों एक राज्य में करोड़ों का भारी-भरकम पुल चूहे खा गए और बिल्लियाँ सोती रहीं। हद तो तब हो गई जब जप्त की गई लाखों शराब की बोतलों के ढक्कन कुतरकर चूहे सारी शराब गटक गए और बिल्लियाँ सोती रहीं। अस्पतालों से करोड़ों की दवाएं बॉक्स समेत खा गए और तब भी बिल्लियाँ सोते हुए सबका साथ सबका विकास नामक सपना देखती रहीं। चूहे अब जादूगर हो गए हैं; वे कभी सूट पहनकर, कभी टाई लगा कर तो कभी गलें में दुपट्टे डाल कर आते-जाते हैं। बिल्लियाँ सो रही हैं, इसलिए चूहों को लगता है कि राज उनका ही है। वे मानते हैं कि 'संगठन ही शक्ति' है। अगर वे शक्ति प्रदर्शन पर आ जाएं, तो पूरा शहर कुतर सकते हैं । किसी दिन संगठित चूहे कानून की पूरी किताब को ही कुतरकर कूड़ा कर सकते हैं। जब मेहनती मूषक जमीन खोदेंगे, एक गाँव नहीं, एक शहर नहीं, एक देश नहीं, पूरी दुनिया खोदेंगे।

भारतीयों के दिमाग से उतरने लगा दुबई

हेमंत पाल
('सुबह सवेरे' के स्थानीय संपादक)

दुबई में बसना हर भारतीय का सपना रहता है। कुछ सालों में तो यह आकर्षण ज्यादा ही बढ़ता दिखाई दिया। लेकिन, ईरान-इजरायल युद्ध में दुबई जिस तरह निशाने पर आया, उसने यहां बसने वालों के आकर्षण पर सवाल उठने लगा है। दुबई में जीवन के असुरक्षित होने से लोगों ने फिर भारत वापसी पर विचार शुरू कर दिया। टैक्स के बोझ से बचने का लालच भी ख़त्म होता लग रहा। यह भी सोचा जाने लगा कि भारत कहीं ज्यादा सुरक्षित और बेहतर देश है।

बीते कुछ सालों में भारत के कई बड़े उद्योगपति, निवेशक और उच्च आय वर्ग के लोग तेजी से दुबई और खाड़ी देशों की ओर रुख करते दिखाई दिए। कम टैक्स, वैश्विक जीवनशैली और आसान बिजनेस माहौल ने उन्हें आकर्षित किया। लेकिन, हाल के भू-राजनीतिक तनावों और क्षेत्रीय अस्थिरता ने इस प्रवृत्ति पर नए सवाल खड़े कर दिए। क्या वास्तव में दुबई जैसे देशों में बसना उतना सुरक्षित और स्थायी विकल्प है जितना माना जाता है, या फिर यह केवल टैक्स बचाने और विलासितापूर्ण जीवन की चाह का परिणाम है! यह सवाल अब गंभीर बहस का विषय बन चुका है। एक दशक में दुबई भारतीयों के लिए सबसे पसंदीदा विदेशी ठिकानों में से एक बनकर उभरा है। खासकर अमीर भारतीयों और उद्योगपतियों के बीच वहां बसने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। दुबई की रियल एस्टेट मार्केट में भारतीय निवेशकों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ती गई और कई बड़े कारोबारी परिवारों ने वहां महंगी प्रॉपर्टी खरीदकर स्थायी निवास बना लिया।

इस आकर्षण के पीछे सबसे बड़ा कारण वहां का टैक्स ढांचा है। दुबई में व्यक्तिगत आयकर नहीं है, जबकि भारत में उच्च आय वर्ग को 30 प्रतिशत तक टैक्स देना पड़ता है। यही कारण है कि कई लोग अपनी आय और संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए खाड़ी देशों में बसने का फैसला करते हैं। इसके अलावा दुबई का आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, अंतरराष्ट्रीय व्यापार केंद्र के रूप में पहचान और अपेक्षाकृत आसान कारोबारी नियम भी लोगों को आकर्षित करते रहे हैं। हालांकि, दुबई जाने का कारण केवल टैक्स बचाना ही नहीं है। कई उद्योगपति और कारोबारी दुबई को वैश्विक व्यापार का प्रवेश द्वार मानते हैं। मध्य पूर्व, यूरोप और अफ्रीका के बीच स्थित होने के कारण दुबई व्यापार और लॉजिस्टिक्स के लिए एक रणनीतिक केंद्र बन चुका है। इसके अलावा दुबई में लग्जरी जीवनशैली, आधुनिक शहर, बेहतर परिवहन व्यवस्था और अपेक्षाकृत तेज प्रशासनिक प्रक्रियाएं भी आकर्षण का कारण हैं। कई भारतीय पेशेवर और उद्यमी मानते हैं कि दुबई में कारोबार शुरू करना और विस्तार करना भारत की तुलना में आसान और तेज है। लेकिन, हाल के समय में पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों ने इस आकर्षण पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्षेत्रीय संघर्षों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं ने यह याद दिलाया है कि खाड़ी क्षेत्र पूरी तरह स्थिर नहीं है। जब भी पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है, तो वहां रहने वाले विदेशी नागरिकों की सुरक्षा और भविष्य को लेकर चिंता बढ़ जाती है। ऐसे समय में कई लोग यह महसूस करने लगते हैं कि आर्थिक लाभ के बावजूद किसी दूसरे देश में स्थायी रूप से बसना हमेशा सुरक्षित विकल्प नहीं होता। इसके विपरीत भारत एक बड़ा लोकतांत्रिक और अपेक्षाकृत स्थिर देश है। यहां मजबूत संस्थाएं, स्वतंत्र न्यायपालिका और लोकतांत्रिक व्यवस्था है, जो नागरिकों को दीर्घकालिक सुरक्षा और अधिकार प्रदान करती है। भारत की अर्थव्यवस्था भी तेजी से बढ़ रही है और निवेश तथा उद्यमिता के नए अवसर लगातार सामने आ रहे हैं। स्टार्टअप इकोसिस्टम, डिजिटल अर्थव्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास ने देश को वैश्विक निवेश के लिए आकर्षक बना दिया है। ऐसे में कई विशेषज्ञ मानते हैं कि अल्पकालिक आर्थिक लाभ के लिए विदेश बसना हमेशा दीर्घकालिक रूप से सही फैसला नहीं होता।

एक और महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव का है। भारत छोड़कर विदेश में बसने वाले कई लोगों को समय के साथ यह महसूस होता है कि अपने समाज, संस्कृति और परिवार से दूर रहना आसान नहीं होता। दुबई जैसे देशों में भले ही भारतीय समुदाय बड़ा हो, लेकिन वहां की नागरिकता व्यवस्था और सामाजिक ढांचा अलग है। अधिकांश विदेशी नागरिकों को वहां स्थायी नागरिकता नहीं मिलती, जिससे उनका भविष्य हमेशा अनिश्चित बना रहता है। हाल के वर्षों में यह भी देखने को मिला है कि कुछ लोग विदेश में रहने के बाद वापस भारत लौटने का निर्णय ले रहे हैं। भारत की बढ़ती आर्थिक संभावनाएं, तकनीकी विकास और बेहतर जीवन के अवसर इस बदलाव के पीछे प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा सरकार द्वारा किए गए कई आर्थिक सुधारों और कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने की कोशिशों ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है।

दरअसल, विदेश में बसना या निवेश करना कोई गलत निर्णय नहीं है। वैश्वीकरण के दौर में लोग बेहतर अवसरों की तलाश में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जाते हैं। लेकिन केवल टैक्स बचाने या अल्पकालिक लाभ के लिए स्थायी रूप से देश छोड़ देना एक बड़ा फैसला होता है, जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। जरूरी यह है कि लोग आर्थिक लाभ के साथ-साथ सुरक्षा, स्थिरता, सामाजिक जुड़ाव और भविष्य की संभावनाओं जैसे पहलुओं पर भी गंभीरता से विचार करें। दुबई और खाड़ी देशों का आकर्षण अपनी जगह है, लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने यह सवाल जरूर खड़ा किया है कि क्या केवल आर्थिक कारणों से विदेश बसना सही रणनीति है। भारत आज तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था है और यहां अवसरों की कोई कमी नहीं है। ऐसे में शायद यह समय है जब लोग केवल टैक्स के नजरिए से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने फैसलों पर पुनर्विचार करें।

आध्यात्मिक यात्रा

आध्यात्मिक यात्रा पर निकल जाइए दुनिया सुंदर दिखेंगी

विवेक कुमार मिश्र
लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

जिंदगी को हाइवे की तरह से होना चाहिए। हाइवे जितना ही सीधा और साफ होता है गाड़ी सरपट भागती जाती है। आप कहीं भी किसी भी हाइवे पर निकल जाइए, बिना यह सोचे कि कहां जाना है या क्या करना है या क्या नहीं करना है, बस ऐसे ही निकल जाइए कि हां यह दुनिया देखना है और जिंदगी को समझना है। इसके लिए बहुत दूर नहीं जाना है, अपने आसपास की दुनिया में ही इतना कुछ होता है कि उसे हम देखते ही नहीं और तरह तरह से प्लानिंग करते रहेंगे कि यहां जाना है तो वहां जाना है। बहुत सारे लोगों का सारा समय इसी में निकल जाता है कि एक जगह के बाद कहा दूसरी जगह जाना है और फिर उसकी कहानी किसे और कैसे कितने लोगों को सुनानी है ये लोग यात्रा नहीं करते बस कहानी ही सुनाते रहते हैं। एक यात्रा से आकर उस यात्रा के हैंग ओवर में ही एक दो महीने अटके रहते हैं। फिर एक आदमी ऐसा भी होता है जो यात्रा को अपनी जरूरत और घर परिवार की आवश्यकता के हिसाब से करता रहता है। ऐसे लोगों के लिए यात्रा एक उर्जा की तरह से होती है और यह भी तय है कि जब आप कहीं भी जाते हैं और अपनी दुनिया अपने घर परिवार के साथ जाते हैं तो न केवल मन को शांति मिलती है बल्कि इस तरह की यात्राओं का प्रभाव यह होता है कि वे आपको समृद्ध करने का काम करती हैं। यात्रा में आप मन मस्तिष्क और अपनी पूरी दुनिया के साथ भावयोग में यात्रा कर रहे होते हैं। जब यात्रा पर निकल पड़े हैं तो रास्ते को सुख और शांति के रूप में देखें । यह देखें कि दुनिया किस तरह से रची भरी है कहां क्या नया है और जो कुछ इस यात्रा में है वह यदि आपके आसपास नहीं है तो उसे अपने मन की झोली में भरते चलें। जब यात्रा प्रसंग को मन में रखते हैं तो हर यात्रा हमें भरने का काम करती है और एक आश्वस्ति जगाती है कि दुनिया में कितना कुछ है और हम सब यूं ही हैरान परेशान घूम रहे हैं। पता नहीं किस बोझ को लेकर चलते रहते हैं। इन दिनों अचानक से मन में आया कि चलें कुछ यात्रा कर लें कुछ स्थानों पर जाकर माथा टेक लें, कुछ यात्राएं भावयोग और मनयोग के साथ आस्था योग की होती हैं जिसमें श्रद्धा भक्ति और आस्था का योग इस तरह से बन जाता है कि यात्रा जीवन को , मानवीय अस्तित्व को और मानव जीवन शक्ति को प्रभावित करने का काम करती है। इस तरह की यात्रा में दूरी का कोई महत्व नहीं होता क्योंकि यह यात्रा आपके भावयोग से जुड़ी होती है और यहां पर आप मन से जाते हैं एक अदृश्य शक्ति आपकों खींचकर ले जाती है। इसी तरह की यात्रा मां राता देवी के धाम पर जाकर अनुभव हुआ। परिवार के साथ यात्रा पर निकले और साथ में झालावाड़ के इतिहासकार श्री ललित शर्मा जी को ले लिया। झालावाड़ से मां रातादेवी धाम करीब 35 किमी होगा , असनावर तक भोपाल रोड पर सरपट भागते हुए फिर पहाड़ियों से होकर नीचे मैदान में मां रातादेवी के धाम तक का रास्ता पहाड़ प्रकृति और पर्यावरण के साथ जीने का एक अलग ही रास्ता दिखाता है। यहां की पहाड़ियों और चट्टानों के बारे में आसपास के और प्राचीन मंदिरों के बारे में बातचीत होती है, रास्ते पर जो गांव पड़ते हैं वे खेती-बाड़ी के समृद्ध और संपन्न गांव हैं, यहां शंतरा, धनिया, लेहसुन और गेहूं की फसलें तैयार हैं और फसल की चमक किसान के चेहरे पर भी दिखती रहती है। खेत खलिहान और पहाड़ों से होते हुए मां के दरबार में पहुंचते हैं। यहां एक अलग ही तरह की शांति मिलती है, सारा कोलाहल दूर हो जाता है। फिर मां रातादेवी धाम में पूजा अर्चन के बाद मंदिर परिसर में कुछ देर बैठकर वापस झालरापाटन के द्वारिकाधीश मंदिर की यात्रा पर आ जाते हैं। यह मंदिर वैष्णव परंपरा का है और यहां समय के हिसाब से ही पूजा अर्चन होती है एक निश्चित समय पर ही मंदिर के पट खुलते हैं और भगवान कृष्ण के दर्शन होते हैं। यहां एक अलग ही आनंद का अनुभव होता है। कृष्ण सहज ही मन में बस जाते हैं। भक्त की साधना आराधना और भक्ति का यह फल होता है कि यात्रा में चाहे जितनी दूरी हो जितना भी कष्ट हो अंत में आपको आनंद और सार्थकता की ही अनुभूति होती है। द्वारिकाधीश मंदिर की यात्रा के बाद वापस हम लोग घर आ जाते हैं, । अभी यह तय किया जाता है कि अगली यात्रा पर जाने से पहले भगवान का प्रसाद लें लिया जाएं और कुछ खाकर थोड़ा आराम कर फिर एक अगली यात्रा पर समदखेड़ी खानपुर के पास चलते हैं। समदखेड़ी धाम की महिमा अलग है यहां की मान्यता और शक्ति के बारे में जन आस्था और विश्वास देखते ही बनता है। आज इस यात्रा पर निकले हैं और संयोग से एकादशी भी है । एकादशी की यहां मान्यता बहुत है और बहुत दूर दूर से लोग अपनी पूजा लेकर आते हैं। यह विश्वास है कि यहां के देवता जो कह देते हैं वह हो जाता है और कार्य सिद्धि के बाद हर आदमी यहां के दरबार में आता है। यहां पर माथा टेक कर हम लोग यहां से वापस घर की ओर आ ही रहे हैं कि यहीं दो सौ मीटर की दूरी पर ही हनुमान धाम है शुद्ध प्राकृतिक वातावरण में। प्रकृति की समृद्ध गोद में यहां अंजनी के लाल हनुमान की कृपा बरसती है। यहां दर्शन करने के बाद इस परिसर को देखते हैं जो बहुत विशाल है। यहां एक न एक भंडारा चलता ही रहता है। इस परिसर को देखते ही ख्याल आया कि क्यों न इसे आध्यात्मिक पर्यटन के रूप में देखें और एक आध्यात्मिक यात्रा का संदर्भ आदमी बनाता चलें। हम सब किसी न किसी यात्रा में होते हैं । जब यात्रा आध्यात्मिक सेतु पर होती है तो जिंदगी का आनंद कई गुना बढ़ जाता है। इस तरह से यात्रा आपके मन मस्तिष्क और दुनिया को समझने के लिए एक और ही संसार में ले जाती है। अध्यात्म हमारा सहज विस्तार करता है कि हम क्या हैं ? हम कौन हैं ? इन प्रश्नों का उत्तर कहीं मिले न मिले पर आध्यात्मिक यात्रा में जरूर मिलता है और इस तरह से एक शांति, एक उर्जा और एक समृद्धि की विरासत हमारे साथ जुड़ जाती हैं। आदमी को घर परिवार के साथ इस तरह की प्राकृतिक और आध्यात्मिक यात्रा जरूर करते रहना चाहिए, यह भी तय है कि इस तरह की यात्राएं हमारी दुनिया को बड़ी बनाने का काम करती हैं।

माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती पर विशेष

न वे झुके, न उन्होंने अपना स्वाभिमान खोया

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला
लेखक साहित्यकार हैं।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों में यदि हिन्दी के साहित्यकारों की चर्चा हो, तो सबसे पहला नाम 'एक भारतीय आत्मा' का ही आयेगा। माखनलाल चतुर्वेदी के साथ जुड़ कर इस विशेषण ने स्वयं को चरितार्थ किया। एक अकेले वही थे, जिन्होंने हिन्दी साहित्य का बहुचर्चित द्विवेदीयुग देखा था, छायावादी और उसके बाद के वादों की लम्बी फेहरिस्त को लांघ कर वे भारतीय कविता का नया ठाठ बनाने में समर्थ हुए। वे इन सब वादों से निर्लिप्त रहे। अपने फन में वे अकेले थे। कविता को उन्होंने मन बहलाने वाली उड़ान से बाहर निकाल कर स्वाधीनता के लिये चल रहे कठिन संघर्ष में सबसे आगे खड़ा कर दिया। कविता को नेतृत्व सौंपकर उन्होंने ने यह दिखा दिया था कि मरे हुए लोगों में प्राण फूँके जा सकते हैं, जोश और जुनून पैदा किया जा सकता है, और यह बेमिसाल ताकत सिर्फ कविता में है। मातृभूमि को शीश झुकाती हुई उनकी कविता पर गांधी जी की नजर तो पड़ी ही, लेकिन शहीद होने के लिये एक पाँव पर खड़े वीर क्रान्तिकारियों ने तो उन्हें हमेशा- हमेशा के लिये अपने दिल में बैठा लिया था। माखनलाल चतुर्वेदी की कविताओं और लेखों में भारत के लोगों को अपनी आत्मा के दर्शन होते हैं, इसीलिए इस साहसी और योद्धा कवि को 'एक भारतीय आत्मा' कहा गया।

माखनलाल चतुर्वेदी मध्यप्रदेश के होशंगाबाद के पास एक छोटे से गाँव बाबई के थे। पिता प्रायमरी स्कूल के स्वाभिमानी और देशभक्त शिक्षक थे, और उनका यह होना एक होनहार बेटे के लिये बहुत मूल्य रखता था। पारिवारिक जीवन की तत्कालीन परिस्थितियाँ तब सामान्यतः बहुत जटिल होती थी। माखनलाल जी स्कूली शिक्षा पूरी कर लेने के बाद पास के एक छोटे से स्कूल में आजीविका के तौर पर शिक्षक तो हो गये, लेकिन सशस्त्र क्रान्तिकारी आन्दोलन से भी जुड़े रहे। वे खतरों से खेलना जानते थे। वे जहाँ भी रहते थे, वह जगह युवा क्रान्तिकारियों की शरणस्थली बन जाती थी। उनकी आजीविका का दौर लम्बा नहीं चला। वे देश के हालात पढ़ रहे थे, और समय की नब्ज पर उन्होंने हाथ रख दिया था। उन पर सबसे ज्यादा असर लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का ही था। तिलक के केवल राष्ट्रवाद ने ही नहीं, उनकी कार्यशैली ने भी माखनलाल जी पर अपनी गहरी छाप अंकित कर दी थी। तिलक के क्रान्तिकारी सपने माखनलाल चतुर्वेदी की आँखों में ज्यों के त्यों उतर आये थे। एक तरह से देखा जाये, तो लम्बे समय तक वे तिलक के साये की तरह बने रहे। सत्रह वर्ष की किशोरावस्था में जब माखनलाल चतुर्वेदी कलकत्ता कांग्रेस में तिलक की सुरक्षा के लिये तैनात किये गये, तब शायद पहली बार उन्होंने मध्यप्रदेश से बाहर कदम रखा था।

माखनलाल चतुर्वेदी ने पत्रकारिता का पहला पाठ लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक से ही पढ़ा था। वे बहुत जल्दी समझ गये थे कि ब्रिटिश सरकार क्रान्तिकारियों की कलम से डरती है। भले ही वे क्रान्ति के संदेशों को जब्त कर लें, लेकिन इस जब्ती का भी जोरदार असर होता था और यह अंग्रेजों को तिलमिलाने के लिये पर्याप्त था। माखनलाल जी ने 1923 में प्रभा पत्रिका के सम्पादन का काम हाथ में लिया, तब वे युवा क्रान्तिकारियों के नेता थे। गणेश शंकर विद्यार्थी के सम्पर्क में वे तभी आये। उन्होंने स्वाधीनता के लिये हिन्दी में पत्रकारिता का श्रीगणेश विद्यार्थी जी के साथ ही किया। इसी बीच उनके जीवन में माधवराव सप्रे आये, जो तिलक की परम्परा के संवाहक थे। माधवराव सप्रे 'कर्मवीर' के पहले सम्पादक थे। वे असाधारण रूप से राष्ट्रभक्त थे, और उनके विचार-पत्र आग उगलने का काम करते थे। माखनलाल जी पर उनका जो प्रभाव पड़ा, वह अंत तक ज्यों का त्यों बना रहा। माधवराव सप्रे के निधन के बाद 'कर्मवीर' का दायित्व माखनलाल जी ने ही उठाया।बीसवीं सदी के तीसरे दशक में, जब गांधी जी के अहिंसक आन्दोलन तेजी पर थे, तब माखनलाल चतुर्वेदी के लिखे तीखे सम्पादकीय केवल ब्रिटिश सरकार की ही नहीं, देशी रियासतदारों की भी पोल खोल रहे थे। इन सबके बावजूद माखनलाल जी निर्भीक बने रहे। न वे झुके, न उन्होंने अपना स्वाभिमान खोया।

राष्ट्रीय पुनर्जागरण के दौर में माखनलाल चतुर्वेदी की कविताएँ, उनके लेख और सम्पादकीय अंग्रेजों को भीषण ज्वालामुखी की तरह प्रतीत होते थे। उनके शब्द प्रलय मचाने वाले होते थे, लेकिन अपने आस-पास कायरों को देख कर वे आत्मग्लानि से भर जाते थे। वे इस बात से

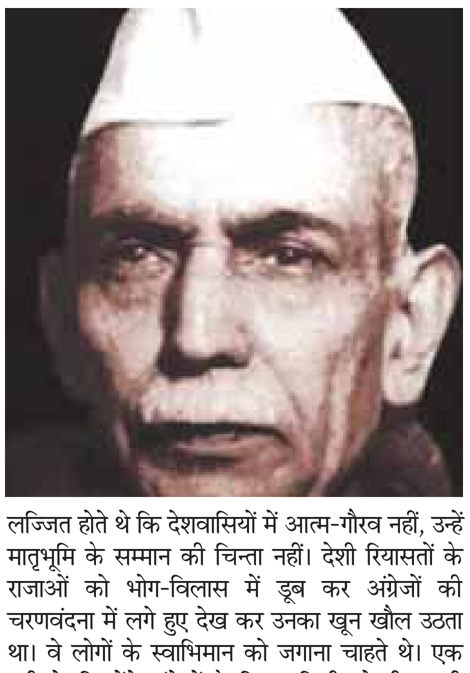

लज्जित होते थे कि देशवासियों में आत्म-गौरव नहीं, उन्हें मातृभूमि के सम्मान की चिन्ता नहीं। देशी रियासतों के राजाओं को भोग-विलास में डूब कर अंग्रेजों की चरणवंदना में लगे हुए देख कर उनका खून खौल उठता था। वे लोगों के स्वाभिमान को जगाना चाहते थे। एक वही थे, जिन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध हिन्दी को वीरता की भाषा साबित कर दिखाया। यह ऐसा काम था, जो न तो कोई राजनेता कर सका और न वे दिग्गज, जो हिन्दी साहित्य के सिरमौर बने हुए थे। उनका मत यह था कि जान न्यौछावर किये बिना मातृभूमि की सेवा का दम्भ भरने वाले ही भारतमाता के पाँवों में पड़ी बेड़ियों के लिये जवाबदेह हैं। पिछली सदी के वे एकमात्र कवि हैं, जो भारत की स्वाधीनता के लिये छटपटाते हुए दिखाई पड़ते हैं। गुलाम भारत में जब सबके सब कवि छायावाद के मोह में ग्रस्त होकर सुकुमार कविताएँ लिख रहे थे, तब माखनलाल चतुर्वेदी सब तरह के खतरे झेलते हुए भी स्वाभिमानी कविता की मशाल उठाकर चल रहे थे।

माखनलाल चतुर्वेदी ने हिन्दी कविता को नई रवानी दी, युवाओं को उनके खून का मोल बताया, देश के स्वाभिमान को लेकर हमारी बूढ़ी और जर्जर हो चुकी इच्छाओं को नई संजीवनी दी। यह अचरज की बात नहीं, कि ऐसा करना और किसी के भी बस की बात थी ही नहीं। 'सूली का पथ ही सीखा है, सुविधा सदा बचाता आया। मैं बलिपथ का अंगारा हूँ, जीवन ज्वाल जगाता आया।।' ये पंक्तियाँ कोई बलिदान के लिये उद्यत कवि ही लिख सकता है। साहित्य में 'बलिपंथ' की धारा बहा देने वाले इस कवि के पुण्यों को किसी एक वाद से बांधने के सब प्रयास विफल होते रहे हैं।

माखनलाल चतुर्वेदी के साहित्य का विमर्श करने वाले एक किनारे पर ही बैठे रहे, क्योंकि उनकी कविताओं के गुण-दोष को अलग-अलग करने की सामर्थ्य किसी में नहीं। कभी-कभी पत्थर की तरह कठोर लगने वाली उनकी कविता कब मोम की तरह पिघलने लगे, और हमारी आँखें भर आये, इस रहस्य को कौन समझ पाया अब तक? 'मसल कर अपने इरादों सी उठाकर, दो हथेली है कि पृथ्वी गोल कर दे' या 'तुम न खेलो ग्रामसिंहों में भवानी, विश्व का अभिमान मस्तानी जवानी' में जो धधकती हुई चिंगारियाँ हैं, उन्हें छूने के लिये मन की अलग स्थिति चाहिए।

माखनलाल चतुर्वेदी की 'पुष्प की अभिलाषा' वैदिक ऋचा से भी अधिक पावन है। वह केवल एक पुष्प की अभिलाषा नहीं, करोड़ो भारतवासियों की मार्मिक पुकार है। वह कविता हमें सुरबाला के गहनों में गूँथ कर, प्रेयसी के गले का हार बनाती हुई, सम्राटों के शव से एक तरफ बलिदान के उस पथ पर छोड़ आती है, जो आँसुओं से भींगा हुआ है। इस तरह की कविता सदियों में जन्म लेती है।

माखनलाल चतुर्वेदी की प्रसिद्ध कृतियों में हिमकिरीटिनी, हिमतरंगिणी, साहित्यदेवता, युगचरण, समर्पण, वेणु लो गूँजे धरा, माता का ही जिक्र होता है, लेकिन उनके इधर-उधर बिखरे हुए लेखों में उनके युगान्तरकारी विचार आज भी उत्साह जगा देते हैं। जेल में लिखी उनकी प्रसिद्ध कविता 'कैदी और कोकिला' में जो दर्द है, वह हृदय को उद्वेलित कर देता है।

यह सच है कि 1919-20 में गांधीजी के आह्वान पर माखनलाल चतुर्वेदी अपने क्रान्तिकारी साथियों के साथ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय गये थे। क्रान्तिकारी युवकों को निःशस्त्र बुलाया गया था, तो इसके पीछे गांधीजी की नीति बहुत स्पष्ट थी। वे क्रान्तिकारियों की युवा-ऊर्जा को अपने सिद्धांतों की ओर मोड़ना चाहते थे। इसमें दो राय नहीं कि तिलक के अवसान के बाद माखनलाल जी को गांधी के सपनों का भारत भाने लगा था, लेकिन यह मान लेना उचित नहीं है कि माखनलाल जी गांधीजी से प्रभावित होकर उन्होंने क्रान्ति का स्वर खो दिया। उनकी तीनों जेल यात्राएँ गांधीजी के सम्पर्क में आने के बाद ही हुई। राजद्रोह में गिरफ्तारी के बाद ही उन्होंने 'प्रताप' का सम्पादन किया। उनकी अंगारे बरसाने वाली कविताएँ भी तबकी हैं, जब उन्हें गांधीजी का अनुयायी माना जाने लगा था। माखनलाल चतुर्वेदी को गांधीजी का अनुयायी बताकर गांधीवाद चलाने वाले भले ही खुश होते रहे हों, लेकिन माखनलाल चतुर्वेदी यथार्थ से दूरी बनाये रखने वाले आदर्शवाद में यकीन कर ही नहीं सकते थे।

माखनलाल चतुर्वेदी एक समय राजनीति के सर्वोच्च शिखर पर थे। उनकी झोली में ऊँचे से ऊँचे पद डालने की बहुत कोशिशें हुईं, लेकिन दद्दा को यह सब कहाँ स्वीकार था। उनकी राजनीति किसी तरह का पद पाने के लिये नहीं,अपितु स्वराज्य के लिये थी। वे राजनीति के जरिए देश के खोये हुए स्वाभिमान की वापसी चाहते थे, और इसके लिये वे युवाओं को तैयार कर रहे थे।

माखनलाल चतुर्वेदी अपने देश की मिट्टी से बेहद प्यार करते थे। अंतिम समय तक उनके भीतर वह आग प्रज्वलित थी, जो भारत की स्वाधीनता और स्वाभिमान की रक्षा के लिये थी। वे जिंदा विचार में यकीन करने वाले देश के सच्चे सिपाही थे। इसलिए उनका पुण्य स्मरण सच्चे अर्थों में एक भारतीय आत्मा का ही स्मरण है।

विधायक हेमंत खंडेलवाल ने किया चौपाटी निर्माण का निरीक्षण

अधिकारियों को तय समय में गुणवत्ता के साथ काम पूरा करने के निर्देश

बैतूल। शहर के विकास कार्यों को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल ने शुक्रवार 3 अप्रैल को जमीनी स्तर पर पहुंचकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि काम की गति में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान नवागत सीएमओ नवनीत पांडेय भी

- **नवागत सीएमओ के साथ विकास कार्यों की व्यापक समीक्षा**

मौजूद रहे, जिनके साथ नगर के विभिन्न निर्माण कार्यों और आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। विधायक ने स्पष्ट कहा कि शहर के विकास में देरी अब स्वीकार नहीं होगी और तय समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण किए जाएं।

निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश– निरीक्षण के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक ने नगर के अलग-अलग स्थानों पर चल रहे निर्माण कार्यों की स्थिति देखी। उन्होंने अधिकारियों से कार्यों की प्रगति रिपोर्ट ली उन्होंने कहा कि विकास कार्य कागजों तक सीमित न रहें, धरातल पर स्पष्ट दिखाई देने चाहिए।

चौपाटी निर्माण का लिया जायजा– शहर की चौपाटी पर चल रहे निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान विधायक ने मौके पर मौजूद दुकानदारों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। दुकानदारों ने निर्माण कार्य से जुड़ी अपनी दिक्कतें बताई, जिस पर विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन और व्यापारियों को किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो और कार्य व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़े।

पानी संकट पर ली बैठक– उन्होंने नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहरवासियों को प्रतिदिन पानी उपलब्ध कराने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि पानी जैसी बुनियादी जरूरत में लापरवाही बिल्कुल स्वीकार नहीं की जाएगी और इसके लिए एक प्रभावी कार्य योजना तत्काल तैयार की जाए।

भविष्य की योजना बनाने के निर्देश

विधायक ने अधिकारियों से कहा कि आने वाले समय में पानी का संकट न उत्पन्न हो, इसके लिए अभी से ठोस और दीर्घकालिक योजना बनाई जाए। जल स्रोतों के संरक्षण, वैकल्पिक व्यवस्थाओं और वितरण प्रणाली को मजबूत करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

नवागत सीएमओ नवनीत पांडेय के साथ हुई समीक्षा बैठक में शहर के अन्य जरूरी कार्यों पर भी चर्चा की गई। उन्होंने सीएमओ को निर्देशित किया कि सभी विभागों के साथ तालमेल बनाकर काम करें और जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता में रखें। पूरे निरीक्षण और समीक्षा के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक का फोकस साफ तौर पर शहर के समग्र विकास पर रहा।

नगर में धूमधाम से मनाया हनुमान जन्मोत्सव, निकली झांकी

बैतूल। शहर में श्री हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। हनुमान मंदिरों के साथ शोभायात्रा के मार्गों को रंग-बिरंगी रोशनी, स्वागत द्वार, फूलों की सजावट और भगवा ध्वजों से सजाया गया था। जिससे पूरा शहर भगवामय नजर आ रहा था। गंज क्षेत्र में श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति बैतूल द्वारा श्री हनुमान चौक पर श्री हनुमान चालीसा के पाठ के बाद शाम 7.30 बजे श्रीराम दरबार की महाआरती की गई। इसके बाद शहर के विभिन्न क्षेत्रों से निकलने वाली भव्य शोभायात्राएँ यहां पहुंचेंगी। इनमें कोठीबाजार से घाटा मेहंदीपुर बालाजी

की शोभायात्रा, श्री हनुमान मंदिर गर्ग कॉलोनी, रामनगर, भग्गूढ़ाना, चुन्नीढाना सहित अन्य क्षेत्रों से निकलने वाली शोभायात्राएँ शामिल हुई। शोभायात्राओं में अखाड़ों के प्रदर्शन, आकर्षक झांकियां, बैंड-बाजों की धुन और भजन मंडलियों की प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को आकर्षित किया। श्री हनुमान चौक गंज पर पहुंचने वाली झांकियों और शोभायात्राओं का आतिशबाजी और पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया गया। आयोजकों ने सहयोगियों को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। वहीं श्री हनुमान जी के जन्मोत्सव के दिन मंदिरों में सुबह 4 बजे ब्रह्ममुहूर्त में मंगल आरती, हनुमान चालीसा पाठ और विशेष अभिषेक किया। दोपहर में विभिन्न स्थानों पर भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी। दिलबहार चौक गंज पर जय हनुमान सेवा समिति द्वारा सुंदरकांड पाठ के बाद शोभायात्राओं के आयोजकों एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग पर उनको स्मृति चिंह, बूंदी के बड़े मोदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। यहां श्रद्धालुओं के बीच चना और हलवा प्रसादी का वितरण भी किया गया।

31 मार्च को नपा के राजस्व खजाने में अभूतपूर्व बढ़त, कर्मचारियों की सतत मेहनत लाई रंग

आवास योजना कर्मचारियों की मेहनत से आमला नपा को मिला संभाग में प्रथम स्थान

आमला/बैतूल। नगर पालिका अधिकारी आमला के कुशल मार्गदर्शन एवं आवास योजना प्रभारी के सतत प्रयासों से वर्ष 2026-27 में आवास योजना में शत प्रतिशत कार्य की पूर्णता पर आमला नगर पालिका को संभाग में प्रथम स्थान मिला है। आवास योजना प्रथम एवं द्वितीय चरण में पहली बार ऐसा हुआ है कि जब योजना से जुडे कर्मचारियों की मेहनत और सतत प्रयासों से पूरे संभाग में नगर पालिका आमला प्रथम रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रथम एवं द्वितीय चरण में अभी तक कुल 657 हितग्राहियों को इस योजना का लाभ दिया जा चुका है, वहीं चालू वित्तीय वर्ष में आवास योजना 2.0 में भी कुल प्राप्त आवेदनों का 70प्रतिशत निराकरण करने से नगर पालिका आमला संभाग में प्रथम स्थान पाने में

सफल रही है। उक्त जानकारी नगर पालिका आमला द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई है। इस मौके पर नगर पालिका अधिकारी नितिन बिंजवे और नगर पालिका अध्यक्ष नितिन गाडरे ने योजना के प्रभारी रमेश देशमुख एवं सहायक सुभाष सिरसाम को सम्मानित किया है। इस दौरान परिषद के सदस्य संजय राठौर, शोभा देशमुख, सुधीर अंबडकर, ममता धमोडे, दीक्षा सुरजेकर और राकेश शर्मा ने सभी कर्मचारियों को बधाई दी है।

नपा के राजस्व विभाग ने रचा इतिहास एक ही दिन में अभूतपूर्व वसूली– नगर पालिका परिषद के इतिहास में ऐसा पहली बार देखा गया है कि जब मात्र एक ही दिन में यानी वित्तीय वर्ष की समाप्ति 31 मार्च को पहली बार 12 लाख रुपए से ज्यादा की आमदनी हुई है, वहीं इसी के साथ वित्तीय वर्ष में कुल 70 फीसदी से ज्यादा राजस्व वसूली करने का रिकॉर्ड भी नगर पालिका ने अपने नाम किया है। नगर पालिका अधिकारी के कुशल मार्गदर्शन एवं राजस्व शाखा प्रभारी अखिलेश राजनेगी, सहायक पृथ्वीराज चौहान की सतत मेहनत से नगर पालिका ने पहली बार वित्तीय वर्ष में राजस्व वसूली के 70 फीसदी के आंकड़े को पार किया है, जबकि इसके पूर्व में अभी तक नगर पालिका के राजस्व में प्रति वर्ष लगभग 50 से 55 फीसदी ही वसूली नगर पालिका को प्राप्त हो रही थी। इस अवसर पर भी नगर पालिका अधिकारी नितिन बिंजवे ने सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए उन्हें लगातार इसी प्रकार से कार्य करने हेतु प्रोत्साहित भी किया।

संगठन को मजबूत करने में जुटे सुखदेव पांसे, सुमित शिवहरे बने मुलताई नगर कांग्रेस अध्यक्ष

मुलताई। पूर्व मंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे की अनुशंसा पर विभिन्न पदों पर नई नियुक्तियां की जा रही हैं। हाल ही में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पद पर अरुण यादव की नियुक्ति के बाद अब सुमित शिवहरे को नगर कांग्रेस अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुमित शिवहरे लंबे समय से कांग्रेस की सक्रिय राजनीति से जुड़े हुए हैं। वे नगर की मूलभूत समस्याओं को लेकर लगातार संघर्षरत रहे हैं। युवाओं सहित सभी वर्गों में उनकी मजबूत पकड़ और सकारात्मक छवि मानी जाती है, जिसके चलते पार्टी नेतृत्व ने उन पर भरोसा जताते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। नगर पालिका चुनाव में भी सुमित शिवहरे का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखने को मिला। भाजपा के मजबूत गढ़ माने जाने वाले वार्ड क्रमांक-8 से उनकी पत्नी अंजली सुमित शिवहरे ने भारी मतों से विजय प्राप्त की थी। वे इस वार्ड से कांग्रेस की पहली पार्षद बनीं।

परिवार की कांग्रेस में मजबूत विरासत– सुमित शिवहरे का परिवार लंबे समय से कांग्रेस की राजनीति से जुड़ा रहा है। उनके दादा एवं पिता मदन मोहन शिवहरे (राजू भैया) भी लंबे समय तक कांग्रेस अध्यक्ष रहे हैं। इस प्रकार सुमित शिवहरे की नियुक्ति को कांग्रेस की परंपरा और विरासत को आगे बढ़ाने के रूप में देखा जा रहा है। नियुक्ति की जानकारी मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ता ताप्ती मंदिर पहुंचे, जहां मां ताप्ती की पूजा-अर्चना कर सुमित शिवहरे को बधाई दी गई और उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

भारतीय सेना से सेवानिवृत्त फौजी नगरागमन पर समारोह पूर्वक स्वागत

सोहागपुर। भारतीय सेना से सेवानिवृत्त वीर योद्धा का नगरागमन पर सैनिक समाज सेवा संगठन सोहागपुर के तत्वावधान में समारोह पूर्वक भव्य स्वागत किया गया। सैनिक समाज सेवा संगठन ने सेना से 18 वर्ष के देश सेवा करने के उपरांत सेना नायक भरतलाल पाली सकुशल नगर आगमन पर संगठन के सदस्यों ने उनको खुली जीप में बैठकर श्री नायक जी को गंतव्य स्थान ले जाया गया। इस अवसर पर उनका सैनिक समाज सेवा संगठन के अलावा

जगह जगह पर सोहागपुर के नगर वासियों ने भव्य स्वागत किया। इसके साथ ही श्रीफल प्रदान करके मिष्ठान खुलाकर द् सम्मान किया गया। इस उल्लेखनीय कार्यक्रम को सफ़ल बनाने में ग्रुप के सीनियर सदस्य संतोष रघुवंशी,नीलम पटेल, हरीश कुमार साहू, राजेश रघुवंशी, देवेंद्र नागेश, जितेन्द्र ठाकुर (शेर

बल्ला) अभिषेक डोर, अजय सोनी, नेपाल सिंह रघुवंशी , सचिन मिश्रा (बॉबी), अंकित पटेल आदि प्रमुख थे। सैनिक समाज सेवा संगठन के सदस्यों ने बताया कि भारतीय सेना से सेवानिवृत्त होने वाले वीर योद्धाओं का सम्मान किया जाएगा । जो देश सेवा में अपने प्राणों की बाजी लगाकर सकुशल वापिस क्षेत्र में आएंगे। ऐसे सैनिकों का सम्मान समारोह आयोजित होते

5 अप्रैल को राज्यपाल के बदनावर दौरे की तैयारियां तेज, कलेक्टर और एसपी ने कार्यक्रम स्थलों का लिया जायजा

धार। राज्यपाल मंगुभाई पटेल के आगामी 5 अप्रैल को प्रस्तावित बदनावर दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ने कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया । बदनावर में एक वृहद निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर मंडी प्रांगण, बदनावर में प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगा।कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने बदनावर में हेलिपेड और सभा स्थल का जायजा लिया।

कलेक्टर ने हेलिपेड पर सुरक्षित लैंडिंग एवं आवागमन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और स्वच्छता के मानक स्तर का विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने आपातकालीन सेवाएं, चिकित्सकों की उपलब्धता, वार्ड व्यवस्था, स्वच्छता एवं फायर फाइटिंग सिस्टम को क्रियाशील रखने के निर्देश दिए। साथ ही एम्बुलेंस एवं आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश भी दिए।

इसके उपरांत उन्होंने स्थानीय अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने, आवश्यक स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने एवं सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए।

यातायात प्रबंधन के तहत पार्किंग स्थलों का निर्धारण, वीआईपी मूवमेंट के दौरान सुचारू आवागमन एवं आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जिले के अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे।

विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे एवं विशाल बतरा का भाजपा ने किया स्वागत

बैतूल। भाजपा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने आमला विधायक डा.योगेश पंडाग्रे को प्रदेश प्रवक्ता एवं विशाल बतरा को प्रदेश सह मीडिया प्रभारी का दायित्व सौपा है। वहीं मोहित गर्ग मीडिया पैनेलिस्ट की प्रदेश सूची में दोबारा शामिल किए गए। जिला मीडिया सेंटर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार भाजपा युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति में भी बैतूल जिले से अंकित आर्य को प्रदेश मंत्री का दायित्व सौपा गया है। प्रदेश की कार्यसमिति में नवीन दायित्व मिलने पर भाजपा परिवार ने वरिष्ठ नेतृत्व का आभार जताते हुए हर्ष प्रकट किया। इस अवसर पर डा.योगेश पंडाग्रे एवं विशाल बतरा का जिला भाजपा परिवार ने पुष्पहार व पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर अभिनंदन किया एवं मिठाई बांटकर खुशी जताई इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष विधायक हेमंत खंडेलवाल, जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार, पिछडावर्ग मोर्चा प्रदेश मंत्री अतीत पंवार, जिला महामंत्री कृष्णा गायकी, पूर्व नपाध्यक्ष अनिल सिंह ठाकुर, मंडल अध्यक्ष सुनिल पंवार, नीतू पटेल, नीतिन बारस्कर, गोवर्धन राने, दीपक उइके, अरविंद राठौर, अभिषेक राठौर, विवेक जवाहर शुक्ला, दीपक वर्मा, सूर्यदीप त्रिवेदी, चाणक्य राखडे, आशीष वागद्रे, रमेश पाठा सहित बडी संख्या में कार्यकर्ता व पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जुझारू समाजसेवी श्री अहिरवार किसान कांग्रेस नगर अध्यक्ष नियुक्त

सोहागपुर। आदिवासी एवं एसटीएससी में पैठ रखने वाले जुझारू समाजसेवी एवं असीम व्यक्तित्व के धनी मिलनसार गणेश अहिरवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी के अनुमोदन पर उनको किसान कांग्रेस का नगर अध्यक्ष नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि गणेश अहिरवार पिछले 15 सालों से समाजसेवा एवं राजनैतिक रूप से सक्रिय है। कांग्रेस पार्टी के ईमानदार और स्वच्छ छवि के चलते पहचान रखते है। अनुसूचित जाति समुदाय के नागरिकों से जीवंत सम्पर्क रखते हैं। इसका लाभ चुनावों के समय कांग्रेस को मिलने की संभावना है।

गणेश अहिरवार का ग्रामीणों एवं किसानों के मध्य जीवंत सम्पर्क के कारण कांग्रेस पार्टी के प्रति समर्पण भाव को देखते हुए वरिष्ठ नेताओं की अनुशंसा पर उनकी नियुक्ति की गई है। किसानों के लिए लगातार संघर्ष और जनसंपर्क के चलते पार्टी को फायदा होगा । उनकी इस नियुक्ति पर कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष

शिवकांत पांडे गुड्डन, पूर्व जिला अध्यक्ष पुष्पराज पटेल, पूर्व नप अध्यक्ष संतोष मालवीय, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष सुधीर ठाकुर

पूर्व ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष आलोक जायसवाल, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रशांत जायसवाल , नीरज चौधरी, ऋषभ दीक्षित, इरफान खान, वरिष्ठ पार्षद जमील खान, पूर्व पार्षद मोहन कहार सहित स्नेहियो ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

भाजपा नेता के मढ़ई रोड खेत से दो मोटर चोरी

सोहागपुर। भाजपा नेता नितिन सूर्यवंशी के मढ़ई रोड लांगा बम्होरी स्थित खेत से बीती रात अज्ञात चोरों ने दो अल्टीनेटर की मोटर चोरी कर ली। भाजपा नेता के यहां चोरी की घटना से इलाके में संशय का माहौल बना हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त घटना ग्राम बम्होरी खुर्द (मढ़ई रोड) की है, जहां किसान नितिन कुमार सूर्यवंशी के खेत में रखी दो अल्टीनेटर मोटर को अज्ञात चोर रात के समय चोरी कर ले गए। चोरों ने मौके का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया।सुबह जब खेत मालिक मौके पर पहुंचे तो चोरी की घटना का पता चला,। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज किया गया। इसके उपरांत पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। इस वारदात से ग्रामीणों में संशय बना गया है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द चोरों को पकड़कर सख्त कार्रवाई की जाए। फरियादी ने मोटर चोरी का स्थान चित्र में साझा किया है।

विवेक सिन्हा मीडिया पैनलिस्ट के रूप में राज्य स्तर पर पार्टी की विचारधारा, नीतियों और दृष्टिकोण को रखेंगे प्रखरता से

इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव के प्रतिनिधि के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं विवेक सिन्हा

धार से राजेश शर्मा

इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव के प्रतिनिधि के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे है विवेक सिन्हा मीडिया पैनलिस्ट के रूप में राज्य स्तर पर पार्टी की विचारधारा, नीतियों और दृष्टिकोण को प्रखरता से प्रस्तुत करेंगे।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से वैचारिक शुरुआत कर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) में सक्रिय भूमिका और छात्र राजनीति से लेकर संगठनात्मक जिम्मेदारियों तक विवेक सिन्हा ने अपनी भूमिका निष्ठापूर्वक निभाई इसी का परिणाम है कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें मीडिया पैनलिस्ट के रूप में बड़ी जिम्मेदारी दी है।

नई जिम्मेदारी, बड़ा दायरा

राजनीति में प्रभावी संवाद और संगठनात्मक प्रतिबद्धता का संगम ही नेतृत्व को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। इसी का उदाहरण हैं विवेक सिन्हा, जिन्हें हाल ही में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट के रूप में नियुक्त किया है। यह जिम्मेदारी उनकी अब तक की सक्रियता का परिणाम है।

राज्य स्तर पर पार्टी की विचारधारा, नीतियों और दृष्टिकोण को मजबूती से प्रस्तुत करेंगे

मध्यप्रदेश भाजपा द्वारा दी गई यह नियुक्ति आगामी संगठनात्मक गतिविधियों और मीडिया मंचों पर पार्टी का पक्ष प्रभावी ढंग से रखने के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। एक मीडिया पैनलिस्ट के रूप में अब विवेक सिन्हा राज्य स्तर पर पार्टी की विचारधारा, नीतियों और दृष्टिकोण को मजबूती से प्रस्तुत करेंगे।

स्थानीय से राज्य स्तर तक का सफर

वर्तमान में विवेक सिन्हा इंदौर के महापौर

पुष्यमित्र भार्गव के प्रतिनिधि के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इंदौर विधानसभा क्षेत्र-5 में जनसमस्याओं के समाधान में सक्रिय सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में 'सेतु' की भूमिका जनता और प्रशासन के बीच संवाद स्थापित करने में दक्ष यह जमीनी अनुभव उन्हें एक प्रभावी प्रवक्ता के रूप में मजबूत आधार प्रदान करता है।

निरंतर संगठनात्मक कार्य, जमीनी जुड़ाव और प्रभावी संवाद क्षमता किसी भी कार्यकर्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

विवेक सिन्हा की पहचान एक कुशल संचारक के रूप में भी है । मीडिया प्रबंधन में दक्षता,रणनीतिक संचार की समझ,जटिल विषयों को सरल और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता यही गुण उन्हें टीवी डिबेट, प्रेस वार्ता और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर पार्टी का मजबूत चेहरा बना सकते हैं। यह नियुक्ति केवल एक पद नहीं, बल्कि एक संकेत है पार्टी युवा और सक्षम चेहरों को आगे बढ़ाने पर जोर दे रही है।

विवेक सिन्हा का यह सफर दर्शाता है कि निरंतर संगठनात्मक कार्य, जमीनी जुड़ाव और प्रभावी संवाद क्षमता किसी भी कार्यकर्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

राजस्व मंत्री बोले- किसान देश का अन्नदाता है

उपार्जन में किसानों को कोई परेशानी न हो

10 अप्रैल से शुरू होगी खरीदी, किसानों की सुविधा सर्वोपरि रखने के राजस्व मंत्री ने दिए निर्देश

■ राजस्व मंत्री ने की गेहूं उपार्जन तैयारियों की समीक्षा

सीहोर, (निप्र)। आगामी 10 अप्रैल से शुरू होने वाले गेहूं उपार्जन को लेकर तैयारियों के संबंध में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिले में गेहूं उपार्जन के लिये आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने विस्तार से जानकारी दी। बैठक में राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि किसान देश का अन्नदाता है। उपार्जन के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी उपार्जन केंद्रों पर छाया, पेयजल, बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही तौल कांटों की पर्याप्त व्यवस्था और उनकी नियमित जांच करने के भी निर्देश दिए।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि गेहूं की तौल निर्धारित मानकों के अनुसार ही की जाए और तौल में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता पाये जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि व्यापारी किसी भी प्रकार से स्थिति का अनुचित लाभ न उठा सकें, इसके लिए सख्त मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों के साथ शिष्टाचारपूर्ण व्यवहार किया जाए और सर्वेयर नियमों के अनुसार कार्य करें। किसी भी किसान को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करें और यदि कहीं कोई अनियमितता पाई जाए तो तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर भी विशेष जोर देते हुए राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि शिकायतों का निराकरण तत्काल किया जाए, ताकि किसानों को बार-बार भटकना न पड़े। उन्होंने यह भी बताया कि जिले के लिए आवश्यक बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है और इस दिशा में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। बैठक के दौरान राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने बताया कि फूड प्रोसेसिंग कंपनी आईटीसी द्वारा इस वर्ष 40 प्रतिशत गेहूं खरीदने की संभावना है। बैठक में उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि समन्वय के साथ कार्य करते हुए गेहूं उपार्जन प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी और किसानों के हित में सफल बनाया जाए। बैठक में राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने भैरूंदा एसडीएम श्री सुधीर कुशवाह से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से गेहूं उपार्जन के लिये की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली। बैठक में सीहोर विधायक श्री सुदेश राय ने उपार्जन की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने तथा किसानों की समस्यओं के त्वरित निराकरण के संबंध में अनेक सझाव दिये। बैठक में जिला भाजपा अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, इछावर एसडीएम श्रीमती स्वाती मिश्रा, डीडीए श्री आशोक कुमार उपाध्याय, प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रेशमा भामोर, कनष्ठि आपूर्ति अधिकारी श्री आकाश चंदेल, डीपीएम श्री दिनेश बर्फा सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। सभी अनुभागों के एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार सहित संबंधित विभाग के अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

किसान पंजीयन और गेंहू के रकबे में बढ़ोत्तरी

बैठक में जानकारी दी गई कि सीहोर जिले में गेहूं पंजीयन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2025-26 में जहां 88,292 किसानों ने पंजीयन कराया था, वहीं इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 1,02,485 हो गई है, जो 116.08 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है। इसी तरह पंजीकृत रकबा भी बढ़ा है। पिछले वर्ष 2,00,293 हेक्टेयर रकबा दर्ज था, जो इस वर्ष बढ़कर 2,44,959 हेक्टेयर हो गया है। यह 111.19 प्रतिशत वृद्धि है।

जिले में बनाए गए हैं 240 उपार्जन केंद्र

उपार्जन केंद्रों की बात करें तो जिले में 240 उपार्जन केंद्र बनाये जाने हैं, जिसमें से 212 उपार्जन केन्द्र बनाये जा चुके हैं। शेष केन्द्रों के लिये स्व-सहायता समूहों के प्रस्ताव राज्य शासन को भेजे गये हैं। अनुमति प्राप्त होते ही ये भी बना दिये जायेंगे। वर्ष 2025-26 में जिले में कुल 6,32,577 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया गया था।

न्यूनतम समर्थन मूल्य

इस वर्ष गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जिस पर राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये का बोनस दिया जाएगा। इस प्रकार किसानों को कुल 2625 रुपये प्रति क्विंटल का समर्थन मूल्य प्राप्त होगा।

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में संचालित है एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान

नर्मदापुरम, (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 28 फरवरी से संचालित सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी टीकाकरण अभियान में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। अभियान के अंतर्गत 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वयं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरसिंह गेहलोत ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक जिले में कुल 7760 बालिकाओं ने एचपीवी टीका लगवाया है। उन्होंने कहा कि टीकाकरण कराने वाली बालिकाएं अन्य बालिकाओं को भी प्रेरित कर रही हैं, जिससे अभियान को और गति मिल रही है। स्वास्थ विभाग के जिला मीडिया प्रभारी श्री सुनील साहू ने बताया कि 31 मार्च तक जिले में कुल 279 टीकाकरण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें 7760 बालिकाएं लाभान्वित हुई हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ अन्य विभागों के मैदानी कार्यकर्ताओं के समन्वय एवं सुनियोजित कार्ययोजना के कारण यह उपलब्धि संभव हो सकी है। विकासखंडवार प्रगति के अनुसार नर्मदापुरम में 739, इटारसी में 432, पिपरिया में 1003, बनखेड़ी में 1033, सोहागपुर में 1222, माखननगर में 1012, केसला में 743, सिवनी मालवा में 867 तथा डोलरिया में 709 बालिकाओं का टीकाकरण किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्थापित किए पशु-पक्षियों के लिए जल पात्र

हस्ताक्षर कर ली जल संरक्षण की शपथ

सीहोर, (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अनेक जल संरक्षण एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। भैरूंदा के शासकीय संदीपनी स्कूल में भैरूंदा नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मारूति शिशिर, एसडीएम श्री सुधीर कुशवाह, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा अभियान के तहत पशु-पक्षियों के लिए जल पात्र स्थापित किए गए। इस अवसर पर हस्ताक्षर अभियान के अंतर्गत सभी जल संरक्षण पत्र पर हस्ताक्षर किए, पोस्टर बैनर के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया और जल संरक्षण की शपथ ली।

सिरोंज में वाहन चेकिंग अभियान, 9 वाहनों पर कार्रवाई

विदिशा, (निप्र)। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशों के पालन में जिला परिवहन अधिकारी द्वारा सिरोंज क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करते पाए गए वाहनों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई। जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरिजेश वर्मा के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान कुल 09 वाहन नियम विरुद्ध संचालित होते पाए गए, जिन पर चालानी कार्रवाई की गई। इनमें से 07 वाहनों से कुल 1,05,500 रुपए का शमन शुल्क वसूल किया गया, जबकि शेष 02 वाहनों को प्रकरण निराकरण तक जप्त कर पुलिस थाना सिरोंज में सुरक्षार्थ रखा गया है। अभियान के दौरान विशेष रूप से यात्री वाहनों एवं डंपरों की गहन जांच की गई। इसी क्रम में बिना परमिट संचालित हो रही एक बस के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 41,000 रुपए का शमन शुल्क वसूला गया। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की है कि वे सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ ही निर्धारित नियमों का पालन करें, ताकि किसी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सके।

नर्मदापुरम में रोक के बावजूद नरवाई जला रहे किसान:धुएं से हो रही आंखों में जलन

नर्मदापुरम, (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में प्रशासन द्वारा नरवाई जलाने पर लगाएं प्रतिबंध का कोई असर नहीं हो रहा है। रोजाना किसान खेतों में नरवाई जला रहे। स्थिति यह है कि पिपरिया, इटारसी, हरदा रोड के हाईवे पर लोगों का गाड़ी चलाना मुश्किल हो रहा है। हाईवे के साथ ही यह धुआं अब नर्मदापुरम शहर के मालाखेड़ी, कुमामड़ी रोड की कॉलोनियों तक पहुंच रहा। जिससे आंखों से जलन हो रही। प्रशासन द्वारा रोक लगाने के साथ ही एफआईआर भी कराई जा रही। बावजूद कई किसान नरवाई जलाने से नहीं चूक रहे।

नरवाई की आग खड़ी फसल तक पहुंच रही: बुधवार को भी नर्मदापुरम से इटारसी और तवा पुल के बीच में कई खेतों की नरवाई जलाई गई। पांजरा गांव की ओर से लगी नरवाई की आग फैलते हुए निमसाड़ियां होते हुए दिवलाखेड़ी के खेतों तक फैल गई। जिससे दिवलाखेड़ी की

कमला बाई के दो एकड़ खेत में लगी गेहूं की फसल जलकर राख हो गया। मौके पर दमकल गाड़ी को बुलाया गया। ग्रामीण तहसीलदार दिव्यांशु नामदेव भी पटवारी, सचिव को लेकर मौके पर पहुंचे। दो घंटे से आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। शाम 6.45 बजे तक आग पूरी तक से बुझाई जा नहीं सकीं। तहसीलदार दिव्यांशु नामदेव ने बताया पांजरा गांव के खेतों की तरफ से नरवाई जलते हुए आई। आग बुझाने का प्रयास जारी है। एक किसान की खेड़ में खड़ी गेहूं फसल भी जल गई है।

नर्मदापुरम में सरकारी खरीदी में बड़ा घोटाला सामने आया, संचालक, ब्रांच मैनेजर समेत 6 दोषी

नर्मदापुरम, (निप्र)। नर्मदापुरम के कोठरा गांव स्थित पंचमुखी वेयरहाउस में करीब 25 लाख रुपए कीमत के गेहूं घोटाले का मामला सामने आया है। वेयरहाउस कॉर्पोरेशन की जांच में गोदाम से 1841 बोरी (920.50 क्विंटल) गेहूं कम पाया गया। मध्य प्रदेश वेयरहाउस कॉर्पोरेशन के जिला प्रबंधक वासुदेव डवडे की पांच सदस्यीय टीम ने जांच में इस गड़बड़ी का खुलासा किया। जांच में सामने आया कि जो 1841 बोरी गेहूं कम मिला, वह संभवतः खरीदा ही नहीं गया और स्टॉक केवल कागजों में बढ़ाया गया।

संचालक, ब्रांच मैनेजर समेत 6 लोग दोषी : जांच में वेयरहाउस कॉर्पोरेशन बानापुरा के तत्कालीन शाखा प्रबंधक शिवराज राजपूत, पंचमुखी वेयरहाउस की संचालिका उर्मिला बाई रघुवंशी, उनके पति रंधीर सिंह रघुवंशी, बिसोनी कला निवासी सचिन अग्रवाल, चौकीदार बलीराम कटारे और उसका बेटा गोविंद कटारे को दोषी पाया गया है। कार्रवाई के लिए प्रस्ताव वरिष्ठ

कार्यालय भेज दिया गया है। सिवनी मालवा एसडीएम विजय राय गेहूं उपार्जन की तैयारियों का निरीक्षण करने वेयरहाउस पहुंचे थे। स्टॉक मिलान के दौरान संदेह होने पर बोरियों की गिनती कराई गई, जिसमें शुरुआत में 1605 बोरी (802.50 क्विंटल) गेहूं कम मिला। बाद में वेयरहाउस कॉर्पोरेशन की टीम द्वारा जांच किए जाने पर यह आंकड़ा बढ़कर 1841 बोरी (920 क्विंटल) हो गया। इसके बाद एसडीएम ने एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर खरीदे गए 25,915 बोरी गेहूं में से 1841 बोरी कम पाई गई। इस गेहूं की कीमत करीब 25 लाख रुपए आंकी गई है। अब दोषियों से वसूली और विभागीय कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

किराए पर दिए गोदाम में हुई खरीदी

गोदाम संचालक के प्रतिनिधि रंधीर सिंह रघुवंशी ने 11 महीने के एग्रीमेंट पर यह गोदाम सचिन अग्रवाल को किराए पर दिया था। इसी दौरान सरकारी खरीदी का गेहूं इसी गोदाम में रखा गया। आशंका है कि खरीदी के समय ही कागजों में अधिक स्टॉक दिखाया गया। गड़बड़ी सामने आने के बाद प्रशासन ने पंचमुखी वेयरहाउस को एक साल के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया है। जांच में अनियमित री-स्टैकिंग, स्टॉक सत्यापन में लापरवाही और नियमों के विपरीत संचालन जैसी कमियां भी सामने आई हैं। एमपी वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन क्षेत्रीय प्रबंधक अतुल सोरठे ने बताया कि पांच सदस्यीय टीम ने अपनी जांच पूरी कर प्रतिवेदन एमडी ऑफिस को भेज दिया है।

शिक्षित बच्चे ही सशक्त राष्ट्र की पहचान हैं : राजस्व मंत्री श्री वर्मा

राजस्व मंत्री ने सीहोर में 'स्कूल चलें हम अभियान-2026' का किया शुभारंभ

जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित, राजस्व मंत्री ने शत-प्रतिशत नामांकन पर दिया जोर

सीहोर, (निप्र)। सीहोर के एमएलबी स्कूल में आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री करण सिह वर्मा ने जिला स्तरीय 'स्कूल चलें हम अभियान-2026' का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक श्री सुदेश राय तथा कलेक्टर श्री बालागुरू के सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि स्कूल चले हम अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने अधिकारियों और शिक्षकों से कहा कि जिले में शत-प्रतिशत बच्चों का स्कूल में नामांकन सुनिश्चित किया जाए और यह ध्यान रखा जाए कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए उन्हें बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होने कहा कि शिक्षित बच्चे ही सशक्त राष्ट्र की पहचान हैं। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे समय पर स्कूल पहुंचे और पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया तथा अभिभावकों, शिक्षकों तथा संबंधित विभागों को अभियान को सफल बनाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने को कहा। इस अवसर पर राजस्व मंत्री ने बोर्ड परीक्षा के उत्कृष्ट अंक हांसिल कर स्कूल का नाम रोशन करने वाली छात्रा तनु परमार को सांकेतिक रूप से स्कूटी की चाबी तथा लैपटॉप राशि का प्रमाण पत्र एवं पूजा भिलाला को लैपटॉप की राशि का प्रमाण पत्र प्रदान किया। इसके साथ ही साइकिल वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को पुस्तकें भी वितरित की गई। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर, जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय सिंह तोमर, डीपीसी श्री रमेश राम उइके, श्री सन्नी गौरव महाजन, श्री पंकज गुप्ता, श्री सुदीप प्रजापति, श्री प्रीतेश राठौर, श्री सोलंकी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा जिले के सरकारी स्कूलों के 210 प्रतिभावन बच्चों को स्कूटी की राशि दी गई है तथा उनके द्वारा स्कूटी खरीद ली गई है। इसी प्रकार जिले के 2752 बच्चों को लैपटॉप की राशि वितरित की गई है और लगभग 7500 बच्चों को साइकिल का वितरण किया जा चुका है।

अमृत 2.0 और रेनवाटर हार्वेस्टिंग के कार्यों में तेजी लाएं: कलेक्टर

योजनाओं के क्रियान्वयन में विलंब पर कार्यवाही के सख्त निर्देश

बैतूल, (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में बुधवार को जिले की समस्त नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अमृत 2.0 योजना एवं रेनवाटर हार्वेस्टिंग कार्यों की धीमी प्रगति पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने असंतोष व्यक्त किया। समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नगर पालिका बैतूल को निर्देशित किया कि अमृत 2.0 योजना अंतर्गत कार्य पूर्ण होने के उपरांत ठेकेदार को 7 दिवस के भीतर कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र जारी किया जाए। वहीं कार्यों में लापरवाही एवं विलंब पाए जाने पर आमला, चिचोली, मुलताई एवं घोड़ाडोंगरी के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान की भी समीक्षा की गई। नगर पालिका परिषद आमला की शून्य प्रगति पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित उपयंत्री का 7 दिवस का वेतन काटे जाने के निर्देश दिए। साथ ही परियोजना अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वे प्रतिदिन समस्त योजनाओं की प्रगति से अवगत कराएं। इसके अलावा बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 , स्वनिधि योजना, गीता भवन एवं राजस्व वसूली की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

रोगी कल्याण समिति की बैठक में मरीज हित में अहम फैसले, जिला अस्पताल में सुविधाएं होंगी और बेहतर

विदिशा, (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आज श्रीमंत माधवराव सिंधिया शासकीय जिला चिकित्सालय की रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें मरीजों एवं उनके परिजनों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

सिविल सर्जन सह अधीक्षक कार्यालय के सभागार में आयोजित बैठक में प्रभारी मंत्री द्वारा नामित सदस्य श्री अरविन्द श्रीवास्तव एवं श्री सुरेन्द्र सिंह चौहान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार, सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. अनूप वर्मा सहित अन्य नोडल चिकित्सक उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयों के पालन प्रतिवेदन से हुई, जिसके बाद विभिन्न एजेंडा बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर निर्णय लिए गए। पेयजल

सुविधा को मिलेगी मजबूती: जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीजों एवं उनके परिजनों के आगमन को देखते हुए, विशेषकर गर्मी के मौसम में शुद्ध एवं शीतल पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु अस्पताल परिसर में ओपीडी के बाहर लगभग 10,000 लीटर क्षमता का बड़ा वाटर कूलर स्थापित करने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। सीवेज सिस्टम के पृथक्करण पर जोर: अस्पताल परिसर में वर्तमान ईटीपी/एसटीपी प्लांट में अस्पताल, रेजिडेंसी और नर्सिंग कॉलेज का संयुक्त सीवेज प्रवाहित होने से उत्पन्न समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इसे पृथक करने का निर्णय लिया गया।

बायो-मेडिकल एवं क्लिनिकल अपशिष्ट जल का अलग उपचार किया जाएगा। रेजिडेंसी एवं नर्सिंग कॉलेज के सीवेज को अलग-अलग लाइन से एसटीपी में भेजा जाएगा। इससे पर्यावरण संरक्षण अधिनियम एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों का बेहतर पालन संभव होगा तथा प्लांट की कार्यक्षमता बढ़ेगी। केंद्रीय प्रयोगशाला को मिलेगा उन्नयन: जिला चिकित्सालय की केंद्रीय प्रयोगशाला में उपलब्ध माइक्रोस्कोप की गुणवत्ता संतोषजनक न होने के कारण नई मशीनों की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इससे रक्त, मूत्र, मलेरिया, टीबी एवं अन्य जांचों की गुणवत्ता, शुद्धता एवं समयबद्धता में सुधार होगा और एनएबीएल मानकों के अनुरूप सेवाएं सुदृढ़ की जा सकेंगी। डायलिसिस मरीजों के लिए विशेष पहल: कलेक्टर ने निर्देश दिए कि डायलिसिस के लिए आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके लिए दानदाताओं को भी सहयोग हेतु प्रेरित किया जाएगा। साथ ही तहसीलवार सूची तैयार कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अधिक से अधिक मरीजों को जिले में ही उपचार सुविधा मिल सके और उन्हें बाहर न जाना पड़े। अन्य महत्वपूर्ण निर्णय: पुराने जिला चिकित्सालय परिसर में संचालित दुकानों का किराया 4000 रुपए प्रतिमाह निर्धारित किया गया, जिसमें प्रतिवर्ष 10% की वृद्धि होगी। अस्पताल परिसर में पार्किंग शुल्क को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए। आय-व्यय का विवरण भी बैठक में प्रस्तुत किया गया।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने रोगी कल्याण समिति की बैठक के उपरांत जिला चिकित्सालय की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया जिसमें प्रमुख रूप से डायलिसिस की सुविधा हेतु किए गए प्रबंधो खासकर उपयोग में आने वाले पानी के संबंध में जानकारी प्राप्त की और आरो कक्ष में पहुंचकर क्रियान्वित प्रबंधो का जायजा लिया हैं इसके पश्चात एनआरसी कक्ष में पहुंचकर कुपोषित बच्चो के उपचार हेतु किए जा रहे प्रबंध तथा भूतल पर संचालित आंचल कक्ष के संबंध में जानकारी प्राप्त की और उक्त कक्ष के समक्ष वाहन खडे ना हो की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश संबंधितों को दिए है।

मैहर में झाड़फूंक के नाम पर पार की दरिंदगी

भटकती आत्मा के शक में अपनी ही बहू को लात-घूंसों से पीटा

मैहर (नप्र)। एमपी में मैहर जिले के अमरपाटन थाना अंतर्गत ग्राम मझगवां में चौकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक शख्स ने अपनी ही रिश्तेदार महिला को भूत भगाने के नाम पर बुरी तरह पीट दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि यह सब पीड़ित महिला के पति के सामने हुआ। पुलिस ने मामले में एनसीआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीमार रहती थी पत्नी– पुलिस के मुताबिक फरियादी रामफल लोनी ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी राजकुमारी अक्सर बीमार रहती थी। उनके ही रिश्तेदार गया लोनी ने दावा किया कि वह झाड़फूंक के जरिए उसे ठीक कर देगा। 29 मार्च की सुबह करीब 11 बजे जब दंपत्ति गया लोनी के घर पहुंचे, तो आरोपी ने इलाज के नाम पर महिला को लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। विवाद बढ़ने पर सत्यम लोनी और बिटिला लोनी भी वहां पहुंच गए। आरोप है कि बिटिला ने महिला को पकड़ लिया और गया व सत्यम ने उस पर अंधाधुंध वार किए। बीच-बचाव करने आए रामकांत और रामजस ने किसी तरह मामला शांत कराया।

मौत के बाद भटकती आत्मा की भ्रांति– मामले की जड़ में गहरा अंधविश्वास छिपा है। थाना प्रभारी विजय सिंह परस्ते के अनुसार, गया प्रसाद लोनी के परिवार में हाल ही में किसी का देहांत हुआ था। इसके बाद परिवार में यह भ्रांति फैल गई कि मृतक की आत्मा भटक रही है और वह किसी को परेशान कर रही है। इसी शक और अंधविश्वास के चलते दोनों पक्षों में विवाद हुआ और मारपीट की नौबत आ गई।

पुलिस ने किया एनसीआर दर्ज– पीड़ित महिला के शरीर पर हाथ, पैर और पीठ में चोट के निशान हैं, जिसका उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरपाटन में कराया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि एनसीआर दर्ज कर लिया गया है।

पूरे प्रदेश में अलर्ट, 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी आंधी, 7 अप्रैल तक ऐसा ही मौसम

प्रदेश के 36 जिलों में आंधी-बारिश, 7 में ओले गिरे

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में ओले, बारिश और आंधी का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। शुक्रवार को सुबह से भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए रहे। आज पूरे प्रदेश में ओले, बारिश और आंधी का अलर्ट है। श्योपुर, मुरैना, धार, शाजापुर, देवास, खरगोन, खंडवा, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, दमोह, पन्ना, सतना और रीवा में ओले गिर सकते हैं।

वहीं, भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, भिंड, शिवपुरी, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, सागर, नरसिंहपुर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, सीहोर, आगर-मालवा, राजगढ़, बुरहानपुर, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, मंदसौर, नीमच, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, शहडोल, उमरिया, कटनी, डिंडौरी, अनूपपुर, मंडला और बालाघाट में आंधी, बारिश का अलर्ट है। दोपहर बाद मौसम बदलने लगेगा। शाम से आंधी का दौर शुरू हो सकता है।

रात में 36 जिलों में हुई बारिश, 7 में ओले भी गिरे– इससे पहले गुरुवार को प्रदेश के 36 जिलों के कुल 87 शहर या कस्बों में बारिश हुई। इनमें 7 जिलों में ओले भी गिरे। वहीं, 17 जिलों में तेज आंधी चली। सागर में रफ्तार सबसे ज्यादा 74 किमी प्रतिघंटा रही। वहीं, सीहोर में 67 किमी और भोपाल में 60 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से आंधी चली।

अशोकनगर में 52 किमी, विदिशा और आगर-मालवा में 50 किमी, इंदौर में 49 किमी, शिवपुरी में 48 किमी, गुना में 46 किमी, उज्जैन में 43 किमी, बड़वानी में 41किमी, पचमढ़ी में 39 किमी, धार में 37 किमी, राजगढ़ में 31 किमी, बैतूल-मंदसौर में 30 किमी, नर्मदापुरम में 26 किमी प्रतिघंटा रही। तेज आंधी की वजह से आधे भोपाल में बिजली 1 से 6 घंटे तक गुल रही। वहीं, 100 से ज्यादा शिकायतें बिजली कंपनी के पास पहुंची।

मौसम विभाग के अनुसार, इंदौर, धार, बुरहानपुर, बड़वानी, खरगोन, अलीराजपुर, झाबुआ, खंडवा, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा, रतलाम, नीमच, मंदसौर, भोपाल, राजगढ़, सीहोर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, सागर, दमोह, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, छिंदवाड़ा, भिंड में बारिश दर्ज की गई। वहीं, धार, राजगढ़, बैतूल, देवास, उज्जैन, अलीराजपुर और भिंड जिलों में ओलावृष्टि भी हुई।

सबसे ज्यादा बारिश अलीराजपुर के सेंधवा में सवा इंच तक हो गई। धार के डही, खरगोन के झिरन्या में पौन इंच से ज्यादा पानी गिरा। आ

7 अप्रैल तक ऐसा मौसम रहेगा– मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिन यानी 7 अप्रैल तक प्रदेश में तेज आंधी भी चलेगी। कुछ जिलों में इसकी अधिकतम रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रहेगी। बाकी में 30 से 40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चलेगी।

भोपाल में चली तेज आंधी, रात में बारिश– इससे पहले गुरुवार शाम को भोपाल में तेज आंधी चली। कोलार, रायसेन रोड, अवधपुरी, होशंगाबाद रोड, पुराने शहर समेत लगभग आधे से ज्यादा हिस्से की बिजली गुल हो गई। रात में बारिश होने लगी, जो तड़के तक छुटपुट होती रही।

आगे ऐसा रहेगा एमपी में मौसम

मध्य प्रदेश में अभी एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) और दो ट्रफ एक्टिव हैं। इस वजह से आंधी, बारिश और ओले का दौर चल रहा है, जो अगले चार दिन तक बना रहेगा।

सीहोर में आंधी से उड़ा 'पंचायत' वेब सीरीज का सेट

सीहोर में आंधी-बारिश की वजह से पंचायत वेब सीरीज की शूटिंग रोकनी पड़ी। यूनिट के लाइन प्रोड्यूसर जीशान जाफरी ने बताया कि सीहोर के महोडिया गांव में सीजन-5 की शूटिंग 16 मार्च से 9 अप्रैल तक चलना है। इसमें करीब 200 लोग काम कर रहे हैं। गुरुवार को अचानक हुई बारिश और तेज हवा से टेंट समेत दूसरा सामान उड़ गया। भोजन भी खराब हो गया। हालांकि, इससे टीम का कोई सदस्य घायल नहीं हुआ है।

सागर में तेज हवा चली, बारिश हुई

सागर में गुरुवार को दिनभर धूप-छांव का दौर जारी रहा। शाम को घने बादल छा गए, फिर हल्की बूंदाबांदी शुरू हुई। वातावरण में उमस बढ़ गई। सानौधा और आसपास के इलाकों में तेज हवा चलने के बाद बारिश हुई।

धार में जोबट रोड ओलों से पटी

धार के ग्रामीण इलाकों में पानी गिरा। बाग तहसील के अखाड़ा, झिरपन्या, झाबा गांवों में गुरुवार शाम पांच बजे आंधी के साथ बारिश होने लगी। जोबट रोड ओलों से पट गई। मनावर में शाम 6 बजकर 40 मिनट पर तेज बारिश शुरू हो गई, जो शाम 7 बजकर 15 मिनट तक जारी रही।

मऊगंज में आकाशीय बिजली से महिला की मौत

मऊगंज के भलुहा गांव में 42 वर्षीय मनराजू पत्नी रामावतार प्रजापति खेत में गेहूं की फसल काट रही थी। गुरुवार सुबह करीब 11 बजे तेज गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरी। इसकी चपेट में आने से मनराजू की मौके पर ही मौत हो गई।

मप्र का पहला 'स्मार्ट' पंचायत भवन

फ्री वाईफाई–सीसीटीवी और जूम मीटिंग की सुविधा, सिंधिया भी देखकर रह गए दंग

अशोकनगर (नप्र)। जिले में एक ऐसा अनोखा हाईटेक पंचायत भवन तैयार किया गया है, जो किसी बड़े-बड़े शासकीय भवनों को टक्कर दे रहा है। इसमें न केवल पंचायत के सदस्यों की जूम मीटिंग एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की व्यवस्था है बल्कि पूरे ग्रामीणों को फ्री वाई-फाई,सीसीटीवी व अतिथियों को रुकने एवं गार्डन जैसी आधुनिक सुविधाओं से भी लैस किया गया है। भवन का लोकार्पण भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया।

43 लाख की लागत से बना

शुक्रवार को केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा क्षेत्र के सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्राम पंचायत कजराई में नवीन हाईटेक भवन का लोकार्पण किया। 43 लाख की लागत से बनकर तैयार यह हाईटेक भवन कई आधुनिक एवं जन सुविधाओं से लैस है। क्षेत्र के भाजपा नेता सत्येंद्र कलावत ने बताया कि सरपंच कल्पना कलावत की मंशा थी कि वह गांव के लिए एक आधुनिक पंचायत भवन बनाएं।

इस पंचायत भवन में बड़े शासकीय दफ्तरों की तर्ज पर सरपंच कक्ष, पंचायत सचिव के कक्ष बनाए गए हैं। साथ ही इसमें हाईटेक मीटिंग हॉल, विशाल पार्क और जन सुविधा केंद्र भी बना है। वहीं इस भवन में ग्रामीणों के लिए फ्री वाई-फाई और सुरक्षा की दृष्टि से 10 से अधिक सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

छात्रों की पढ़ाई के लिए बैठक

पंचायत के सरपंच ने बताया कि आज इंटरनेट लोगों की बड़ी आवश्यकता है। ऐसे में उनकी पंचायत में कई निर्धन बच्चे हैं, जो कंपटीशन की तैयारी कर रहे हैं। आज इंटरनेट पर कई ऑनलाइन क्लास हैं और पढ़ाई के लिए फ्री इंटरनेट की आवश्यकता होती है। इसलिए हमने पंचायत भवन में क्यूआर कोड लगाए हैं, जिन्हें स्कैन करते ही उन्हें फ्री वाई-फाई की सुविधा मिलेगी। वही पंचायत भवन में वह पढ़ाई भी कर सकते हैं। भवन में पार्क भी बनाया गया है, जिसमें वह बैठ सकते हैं। पंचायत भवन में अतिथियों को रुकने विश्राम गृह भी बनाया है।

सिंधिया ने सरपंच के लिए बजवाई ताली

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लोकार्पण कार्यक्रम में मंच से पंचायत की सरपंच कल्पना कलावत के लिए ताली बजवाई। उन्होंने कहा कि हमें वह दिन भी याद है जब बड़ी-बड़ी गाड़ियां नहीं होती थी। बैलगाड़ी और जीप से हम चलते थे और पगडंडी पड़कर गांव में जाते थे लेकिन अटल बिहारी वाजपेई जी और नरेंद्र मोदी जी की मंशा से वह पगडंडी अब सड़क में तब्दील हो गई है। वर्तमान में जब डिजिटल आवेदन हम लेते हैं तो ऐसे डिजिटल पंचायत भवन भी जरूरी है।

करंट की चपेट में आई ट्रैक्टर–ट्रॉली, महिला और मासूम जिंदा जले

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी में शुक्रवार सुबह भूसा लेने जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली बिजली की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गई। हादसे में एक महिला और 7 साल का बच्चा जिंदा जल गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला और एक पुरुष गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

कोलारस थाना प्रभारी गब्बर सिंह गुर्जर के मुताबिक, राजस्थान के बारां जिले के खेड़ली गांव में रहने वाला बंजारा परिवार हर साल की तरह इस बार भी कोलारस में भूसा खरीदने आया था। ये लोग खेतों में डेरा डालते हैं और गांव-गांव घूमकर भूसा खरीदते हैं। ट्रैक्टर-ट्रॉली के जरिये एक जगह इकट्ठा करते हैं। बाद में बड़ी मात्रा में भूसा बेचकर मुनाफा कमाते हैं।

बताया जा रहा है कि आज सुबह टोल टैक्स के पास बने बंजारा डेरे से दो ट्रैक्टर-ट्रॉली भूसा खरीदने के लिए निकले थे। आगे चल रहा ट्रैक्टर देहरदा गांव से कच्चे रास्ते से होते हुए डोडयाई गांव की ओर जा रहा था। इसी दौरान ट्रॉली में लगे लोहे के पाइप हाईटेंशन लाइन से टकरा गए, जिससे करंट फैल गया।

राजगढ़ में महिला से चार घंटे में तीन बार दुष्कर्म

पीड़िता को धमकाया, एक दिन चुप रही, फिर पहुंची थाने ; आरोपी गिरफ्तार

राजगढ़ (भोपाल) (नप्र)। राजगढ़ जिले के जीरापुर थाना क्षेत्र में महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार एक 35 वर्षीय महिला जीरापुर थाने पहुंची और घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। महिला ने बताया कि नर्मदेश्वर कॉलोनी निवासी मुकेश पिता रामप्रताप दांगी उसे भंडावद रोड स्थित जंगल की ओर ले गया। आरोप है कि 31 मार्च की रात करीब 10 बजे से 1 अप्रैल की रात करीब 2 बजे के बीच आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती तीन बार दुष्कर्म किया।

चुप रहने की धमकी दी

पीड़िता के अनुसार घटना के दौरान आरोपी लगातार उसे धमकाता रहा और किसी को बताने पर जान से मारने की बात कहता रहा। डर और सदमे के कारण वह तुरंत किसी को कुछ नहीं बता सकी, लेकिन एक दिन बाद गुरुवार को महिला हिम्मत जुटाकर थाने पहुंची और पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी।

आरोपी को गिरफ्तार किया

महिला की शिकायत पर जीरापुर पुलिस ने आरोपी मुकेश दांगी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64(2), 87 और 351(3) के तहत प्रकरण क्रमांक 100/2026 दर्ज किया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी आदित्य सोनी ने बताया कि मामले की विवेचना जारी है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एमपी बोर्ड 10वीं-12वीं रिजल्ट 15 अप्रैल से पहले आएगा

माध्यमिक शिक्षा मंडल की तैयारी अंतिम चरण में, 16 लाख छात्रों ने दी थी परीक्षा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में एमपी बोर्ड 10वीं और 12वीं के लाखों छात्रों का इंतजार अब जल्द खत्म होने वाला है। माध्यमिक शिक्षा मंडल इस साल 15 अप्रैल से पहले रिजल्ट जारी करने की तैयारी में है, जबकि संभावित तारीख 7 से 12 अप्रैल के बीच तय हो सकती है। स्कूल शिक्षा विभाग का कहना है कि सभी जरूरी प्रक्रियाएं अंतिम चरण में हैं और रिजल्ट पूरी तरह त्रुटिरहित जारी किया जाएगा। इस बार करीब 16 लाख छात्र परीक्षा में शामिल हुए हैं, ऐसे में समय पर परिणाम घोषित कर छात्रों को आगे की पढ़ाई में कोई देरी न हो, यह विभाग की प्राथमिकता है।

दतिया विधायक राजेंद्र भारती की विधानसभा सदस्यता खत्म

देर रात सचिवालय पहुंचे प्रमुख सचिव, आदेश जारी किया ; कोर्ट जाएगी कांग्रेस

भोपाल (नप्र)। विधानसभा सचिवालय ने दतिया विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता खत्म करने का आदेश जारी कर दिया है। गुरुवार देर रात करीब साढ़े दस बजे प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा विधानसभा पहुंचे। इसके बाद सचिवालय खोलकर भारती की सीट रिक्त घोषित करने का पत्र चुनाव आयोग को भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई।

शर्मा आदेश टाइप करा रहे थे, इसी बीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और दूसरे नेता भी विधानसभा पहुंच गए। दोनों नेता सीधे प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा के चैंबर में पहुंचे और

राजेंद्र भारती

पूछा कि इतनी रात में विधानसभा क्यों खोली गई? प्रमुख सचिव शर्मा बिना जवाब दिए वहां से निकल गए। देर रात आदेश जारी कर दिया गया। उधर, कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारती की सदस्यता खत्म करने के लिए यह कदम भाजपा के इशारे पर उठाया गया। यह नियमों के खिलाफ है। हम कोर्ट जाएंगे। गुरुवार देर रात विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा ने ये आदेश जारी किया।

पीसीसी चीफ ने कहा– भाजपा लोकतंत्र खत्म करने में जुटी

मामले पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने शुक्रवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें कहा- विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता खत्म करने के विरोध में कांग्रेस कोर्ट जाएगी। इसको लेकर पार्टी सांसद और सीनियर एडवोकेट विवेक तन्खा, दिग्विजय सिंह, कपिल सिब्बल समेत टीम काम कर रही है, जो कोर्ट में पेश किए जाने वाले दस्तावेजों पर डिस्कशन करेगी। पटवारी ने कहा- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एजेंडे पर काम करते हुए भाजपा लोकतंत्र खत्म करने में जुटी हुई है। पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का पेड न्यूज से संबंधित मामला विधानसभा में पेंडिंग है। बीना विधायक निर्मला सप्रे के मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है और राजेंद्र भारती के पास अपील का समय होने के बाद भी सदस्यता खत्म कर दी गई है।

प्रोजेक्ट चीता के लिए टर्निंग प्वॉइंट, चीतों का ब्रीडिंग सेंटर बना कूनो नेशनल पार्क

श्योपुर (नप्र)। मध्य प्रदेश का कूनो नेशनल पार्क अब दुनिया के नक्शे पर चीतों के ब्रीडिंग सेंटर के रूप में उभर रहा है। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों ने न केवल कूनो की आबोहवा को अपना लिया है, बल्कि यहां उनके कुनबे में हो रही बढ़ोतरी ने वन्यजीव प्रेमियों और वैज्ञानिकों को गदगद कर दिया है। कूनो की धरती अब नन्हे शावकों की किलकारियों से गूंज रही है, जो भारत के प्रोजेक्ट चीता के लिए एक ऐतिहासिक टर्निंग पॉइंट है।

कूनो में अफ्रीका जैसा अहसास

शुरुआती चुनौतियों और कुछ चीतों की मौत के बाद उठ रहे सवालों का जवाब अब कूनो के जंगलों ने दे दिया है। कूनो की भौगोलिक स्थिति और यहां मौजूद शिकार चीतों के प्रजनन के लिए बेहद अनुकूल साबित हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मादा चीतों का यहां शावकों को जन्म देना इस बात का प्रमाण है कि वे तनाव मुक्त हैं और इस वातावरण को अपना घर मान चुकी हैं।

पर्यटन और स्थानीय रोजगार को पंख

कूनो का ब्रीडिंग सेंटर बनना केवल पर्यावरण के लिए नहीं, बल्कि श्योपुर और आस-पास के जिलों की अर्थव्यवस्था के लिए भी बूस्टर डोज है। चीतों की बढ़ती संख्या के साथ ही यहां वाइल्डलाइफ टूरिज्म की संभावनाएं कई गुना बढ़ गई हैं, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

गुना के बंद घर में मिले बुजुर्ग पति–पत्नी के शव

जमीन पर रस्सी और भूरे रंग की डिब्बी मिली, परिवार के लोग थे बाहर

गुना (नप्र)। शहर के सिटी कोतवाली थानांतर्गत धाकड़ कॉलोनी में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। यहां एक बुजुर्ग दंपत्ति के शव उनके ही घर के अलग-अलग कमरों में संदिग्ध परिस्थितियों में मिले हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, पति का शव फंदे पर लटका मिला, जबकि पत्नी की लाश दूसरे कमरे में पलंग पर पड़ी मिली है।

बेटा-बहू गए थे बाहर– मृतकों की पहचान 70 वर्षीय दिलीप कुमार गोयल और उनकी 65 वर्षीय पत्नी किरण गोयल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार गत दिवस गत दिवस उनका बेटा-बहू और बच्चे बाहर देवताओं को पूजने गए थे। इस दौरान गुरुवार शाम तक पड़ोसियों की उनसे बात हुई थी। रात को बेटे ने फोन लगाया तो उन्होंने उठाया नहीं। सुबह जब फिर कई बार फोन किए लेकिन

नहीं उठाएं तो बेटे ने अपने पड़ोसी पवन जैन से संपर्क कर घर में देखने की बात कही।

देखकर हतप्रभ रह गए पड़ोसी– इसके बाद पड़ोसियों ने घर में जाकर देखा तो दृश्य देखकर हतप्रभ रह गए। इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही बेटा भी तत्काल परिवार के साथ गुना पहुंचा। इस दौरान घर के भीतर एक कमरे में दिलीप कुमार फांसी के फंदे पर झूलते मिले, वहीं दूसरे कमरे में उनकी पत्नी किरण गोयल मृत अवस्था में पलंग पर पड़ी थीं। पुलिस का अनुमान है कि पति ने फांसी लगाकर और पत्नी ने संभवतः जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या की है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्ट्म रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा।

बेटा चंदेरी में है एडीपीओ– घटना के समय घर में बुजुर्ग दंपत्ति अकेले ही थे। जानकारी के अनुसार, उनका बेटा चंदेरी में एडीपीओ के पद पर पदस्थ हैं और छुट्टियों के चलते अपने परिवार के साथ बाहर देवताओं की पूजन के लिए गए थे। संभवतः इसी दौरान गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात दोनों ने यह आत्मघाती कदम उठाया। इस दौरान में घर में एक और रस्सी जमीन पर पड़ी मिली। इसके अलावा एक भूरे से रंग की डिब्बी, जो संभवतः जहरीला पदार्थ है। वह घर में पड़ा मिला।

बेटा और रिश्तेदार घर पहुंचे

वहीं,जैसे ही घटना की खबर बेटे और अन्य रिश्तेदारों को मिली, वे तत्काल गुना पहुंचे। घर का दृश्य देखकर परिजनों का बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक, दिलीप कुमार गोयल वकालत करते थे। वहीं, किरण रिटायर्ड टीचर थीं। गोयल दंपती दो मंजिला मकान के ग्राउंड फ्लोर पर रहते थे। दो बच्चों में से एक बेटा परिवार समेत पहली मंजिल पर रहता है।

पुलिस जांच में जुटी

सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए हैं और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की हर पहलू से बारीकी से जांच कर रही है कि आखिर ऐसी क्या वजह रही कि बुजुर्ग दंपत्ति को एक साथ मौत को गले लगाना पड़ा। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।